SYLLABI AND SCHEME OF EXAMINATIONS FOR M.A.(Sanskrit)

(Based on Curriculum and Credit Framework for PG Programs under NEP)

WITH EFFECT FROM THE SESSION 2024-26

INDIRA GANDHI UNIVERSITY, MEERPUR REWARI (HARYANA)

Type of Course			Credits Distribution			Total Credits	Workload			Total Workload	Marks				
	Nomenclature of Course	Course Code	L	T	P		L	T	P		Theory		Practical		Total Marks
											Internal	External	Internal	External	
Semester I (Session 2024-25)															
CC 1 @ 4 credits	वेद एवं वेदाङ्ग	24L6.0SKT-101	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC 2 @ 4 credits	संस्कृत व्याकरण – 1	24L6.0SKT-102	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC 3 @ 4 credits	सांख्य एवं न्याय	24L6.0SKT-103	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC 4 @ 4 credits	पद्य साहित्य	24L6.0SKT-104	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC 5 @ 4 credits	भाषाविज्ञान	24L6.0SKT-105	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-1 @ 4 credits	वैदिक कर्मानुष्ठान पद्धति-(i) शोध प्रविधि-(ii)	24L6.0SKT-106(i) 24L6.0SKT-106(ii)	4	0	0	0	0	0	0	4	30	70			100
Seminar	संगोष्ठी:	24L6.0SKT-107	0	2	0	0	0	2	0	2	0	50			50
Semester II (Session 2024-25)															
CC 6 @ 4 credits	ब्राह्मण एवं उपनिषद्	24L6.0SKT-201	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC 7 @ 4 credits	संस्कृत व्याकरण - 2	24L6.0SKT-202	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC 8 @ 4 credits	वेदान्त एवं मीमांसा	24L6.0SKT-203	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC 9 @ 4 credits	मृच्छकटिकम् एवं साहित्यदर्पण	24L6.0SKT-204	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC 10 @ 4 credits	अनुवाद एवं निबन्ध	24L6.0SKT-205	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-2	वैदिक संस्कार पद्धति-(i) मनुस्मृति-(ii)	24L6.0SKT-206(i) 24L6.0SKT-206(ii)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CHM	सवैंधानिक मानवीय और नैतिक मूल्य	24L6.0-CHM-201	2	0	0	2	2	0	0	2	15	35			50

C.C. = Core Course **D.E.C. = Discipline Elective Course**

- An internship course of 4 Credits of 4-6 weeks duration during summer vacation after IInd semester. Internship can be either •for enhancing the employability or for developing the research aptitude.

Syllabi for Post Graduate Program in Sanskrit

Semester 1st

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	वेद एवं वेदाङ्ग	Course Code	24L6.0SKT-101
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Learn the nature and structure of Vedic language.

CLO 2: Gain adequate knowledge of Vedic culture and society.

CLO 3: Understand the philosophical thoughts of Vedic Seers.

CLO 4: Understand the subject matter of some important hymns of Rigveda.

CLO 5: Learn the ancient Indian techniques to understand meanings of Vedic words through Nirukta written by Maharshi Yaska.

Unit 1:

ऋक् सूक्त – अग्नि (1.1) 2. इन्द्र (2.12) 3. उषस् (3.61)

4. पर्जन्य (5.83) 5. पुरुष (10.90) 6. हिरण्यगर्भ (10.121) 7. नासदीय (10.129).

Unit 2:

यजुर्वेद– शिवसंकल्प अध्याय–34 (1–6)
अथर्ववेद – राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29) पृथिवी (12.1)

Unit 3:

निरुक्त अध्याय (1-2)

Unit 4:

(क) वैदिक सन्धि, शब्दरूप, धातुरूप।

(ख) वैदिक स्वर (सौवर – महर्षिदयानन्दः) एवं पदपाठ

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य है। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1

(क)चार में से दो मंत्रों की व्याख्या 2×4= 08

(ख) दो में से एक प्रश्न 1×6 = 6

यूनिट - 2

(क)चार में से दो मंत्रों की व्याख्या 2×4= 08

(ख) दो में से एक प्रश्न 1×6 = 6

यूनिट - 3

(क) 4 में से 2 की व्याख्या 2 ×5 =10

(ख) 6 में से 4 निर्वचन 4 ×1= 4

यूनिट– 4

(क) 8 में से 4 सन्धि अथवा रूपों का विवेचन 4 ×2= 8

(ख)4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या अथवा 4 में से 2 स्वर एवं पदपाठ सम्बन्धी टिप्पणी 2×3= 6

References:

1. ऋक् सूक्त सङ्ग्रह – कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार सुभाष बाजार-मेरठ
2. यास्क प्रणीतं निरुक्तम् –कपिल देव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. वैदिक व्याकरण – डॉ. रामगोपाल
4. वैदिक ग्रामर – अनुवादक– डॉ. सत्यव्रत।

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	संस्कृत व्याकरण	Course Code	24L6.0SKT-102
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO 1: Understand the characteristics of Sanskrit grammar through Laghusidhantkaumudi.
CLO 2: Understand the different forms of Sanskrit Words.
CLO 2: Understand the basic structure of Sanskrit language through Panini grammar with special reference to Sandhi, Stripratyaya, Subanta.

Unit 1:
लघुसिद्धान्तकौमुदी – संज्ञा, सन्धि व स्त्रीप्रत्यय प्रकरण

Unit 2:
लघुसिद्धान्तकौमुदी – अजन्त सुबन्त –
पु. – राम, सर्व, विश्वपा, हरि, सखि, प्रधी, सुधी, शम्भु
स्त्री. – रमा, सर्वा, मति, त्रि, स्त्री, धेनु
नपु. – ज्ञान, वारि, दधि, सुधी, प्रधौ
प्रकिया – ण्यन्त

Unit 3:
लघुसिद्धान्तकौमुदी – हलन्त सुबन्त –
पु. – लिह्, विश्ववाह्, चतुर्, किम्, इदम्, तत्, राजन्, मघवन्, पथिन्, युष्मद् अस्मद्, प्राच्, विद्वस्,
स्त्री. – चतुर्, किम्, इदम्, अदस्, तत्
नपु. – तत्, किम्, इदम्, तुदत्, दीव्यत्
प्रकिया – सन्नन्त

Unit 4:
लघुसिद्धान्तकौमुदी समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, द्वन्द्व

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। (जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।) (7×2=14)
शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 3×2 = 06

यूनिट– 2
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 3×2 = 06

यूनिट– 3
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 3×2 = 06

यूनिट– 4	
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	3×2 = 06

References:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – धरानन्द शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – महेशसिंह कुशवाहा
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – ईश्वर सिंह
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – डॉ. सत्यपाल सिंह

Semester 1st

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	सांख्य एवं न्याय	Course Code	24L6.0SKT-103
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO 1: Understand the subject matter of Sankhya Karika and Tarkbhasha.
CLO 2: Understand the metaphysics of Sankhya philosophy.
CLO 3: Understand the fundamental of Nyaya philosophy.
CLO 4: Develop the ability to critically analyse the foundational principles, key concepts and epistemological approaches of both philosophical schools.
CLO 5: Compare the concepts of Sankhya and Nyaya philosophy.

Unit 1:
सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण ([illegible])
कारिका 1–30 व कारिका 40–55

Unit 2:
पातञ्जल योगदर्शनम् **(व्यासभाष्य) : चित्तभूमि, चित्तवृत्तियाँ, ईश्वर का स्वरूप, योगाङ्ग, कैवल्य**

Unit 3:
तर्कभाषा, केशवमिश्र (प्रारम्भ से **अनुमान** प्रमाण तक)

Unit 4:
तर्कभाषा, केशवमिश्र (प्रामाण्यवाद) **तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट -पदार्थ मीमांसा** (आरंभ से श्रोत्रग्राह्यो गुणः शब्दः पर्यन्त। चलनाऽऽत्मकं कर्म से सप्तैव पदार्थाः इति सिद्धम् तक।

दिशा- निर्देश- प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। (7×2=14)
शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1
(क) 4 में से 2 कारिकाओं की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 2
(क) 4 में से 2 संदर्भ/सूत्रों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 3
(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 4
(क) 4 में से 2 सन्दर्भों/सूत्रों की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. सांख्यकारिका, व्याख्या गजानन मुसलगावकर
2. सांख्यकारिका, व्या. रामकृष्ण आचार्य

3. सांख्यकारिका, व्याख्या -- ब्रजमोहन चतुर्वेदी
4. सांख्यकारिका, व्याख्या -- एच0 एस0 विल्सन
5. सांख्यसिद्धान्त व्या. आचार्य उदयवीर शास्त्री
6. सांख्यदर्शन का इतिहास, आचार्य उदयवीर शास्त्री
7. तर्कभाषा, व्या.डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
8. तर्कभाषा, व्या. -आचार्य विश्वेश्वर
9. तर्कभाषा, व्या. आचार्य बद्रीनाथ शुक्ल।
10. भारतीय न्यायशास्त्र एक अध्ययन, ब्रह्ममित्र अवस्थी।
11. भारतीय दर्शन - राधाकृष्णनन्
12- Classical Samkhya – G.J. Larson.
[redacted]
13. पातंजल योगसूत्र - सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव्य

Semester 1st

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	पद्य साहित्य	Course Code	24L6.0SKT-104
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the poetry of Kalidasa, Ashwaghosh and Magh.

CLO 2: Acquire the ability to examine critically the various aspects of Sanskrit poetry.

CLO 3: Able to acquire the knowledge of the characteristics of Sanskrit poetry.

CLO 4: Understand the theme, characterization, literary style, cultural and historical significance through the study of Meghdoot written by Kalidasa.

CLO 5: Understand themes, characterization and literary styles of Magh and Ashvaghosh through the study of Shisupalavadham and Buddhacharitam respectively.

Unit 1:

कालिदासकृत **मेघदूतम्** (पूर्वमेघ)

Unit 2:

कालिदासकृत मेघदूतम् (उत्तरमेघ)

Unit 3:

माघकृत शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)

Unit 4:

अश्वघोषकृत बुद्धचरितम्(तृतीय सर्ग)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। (7×2=14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04

यूनिट– 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04

यूनिट– 3

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04

यूनिट– 4

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10

(ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04

References:

1. मेघदूत, व्याख्याकार – एम. आर. काले, मोतीलाल बनारसीदास
2. मेघदूत, व्याख्याकार – एस. के. डे., साहित्य अकादमी, दिल्ली

3. मेघदूतम्, व्याख्याकार - शिवराज शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
4. शिशुपालवधम्, व्याख्याकार – डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
5. बुद्धचरितम् - व्याख्याकार श्री रामचन्द्र शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Semester 1st

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	भाषाविज्ञान	Course Code	24L6.0SKT-105
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the fundamental principles of linguistics.

CLO 2: Understand the nature of Sanskrit language in light of modern philology.

CLO 3: Classify the various language families of the world.

CLO 4: Understand the gradual development of ancient languages such as Pali, Prakrit &Apabhransh..

Unit 1:

भाषा तथा भाषाविज्ञान का परिचय, विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण(आकृतिमूलक, परिवारमूलक)

Unit 2:

भारोपीय परिवार का परिचय, इण्डो ईरानियन शाखा का परिचय, संस्कृत, पालि,प्राकृत एवं अपभ्रंश का उद्भव, विकास तथा तुलनात्मक अध्ययन

Unit 3:

ध्वनि एवं पद विज्ञान - उच्चारण अवयव, उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनिपरिवर्तन के कारण तथा दिशा, ध्वनि नियम, पद का स्वरूप, पद तथाशब्द में अन्तर, पद के भेद, पद परिवर्तन के कारण तथा दिशाएं।

Unit 4:

वाक्य एवं अर्थ विज्ञान -वाक्य का लक्षण तथा भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण तथा दिशाएं, अर्थपरिवर्तन के कारण तथा दिशाएं।

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। (7×2 =14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1. दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियाँ 2×7 = 14

यूनिट– 2. दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियाँ 2×7 = 14

यूनिट– 3. दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियाँ 2×7 = 14

यूनिट– 4. दो में एक प्रश्न अथवा चार में से दो टिप्पणियाँ 2×7 = 14

References:

1. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषाविज्ञान, डॉ. कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, भोलाशंकर व्यास
4. पदपदार्थ समीक्षा, डॉ.बलदेवसिंह, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन

5- Amanual of Sanskrit phonetics by C.Uhlenbeck
6-Linguistic Introduction to Sanskrit by B.K. Ghosh.
7-An Introduction to comparative philology by P.D. Gune.
8-Sanskrit language, T. Burrow.

9-Language, itsnature,developmentandorigin,O.**Jespers.**

DEC-1

Semester 1st

Session: 2024-25

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	वैदिक कर्मानुष्ठान पद्धति	Course Code	24L6.0SKT-106 (i)
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 घण्टे

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO1: Understand the Nitya-Karma and their procedure.

CLO2: Understand the Naimitika-Karma and their procedure.

CLO3: Understand the Kamya-Karma and their procedure.

CLO4: Perform the ceremonies for various Vedic Parvas.

Unit 1:

नित्यकर्म (ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, अतिथियज्ञ तथा बलिवैश्वदेवयज्ञ)।

(क) निबन्धात्मकः प्रश्नः 1x8 =8

(ख) टिप्पणी 2x3 = 6

Unit 2:

नैमित्तिक कर्म (दर्शेष्टि, पौर्णमासेष्टि, जन्मदिन, विवाहवर्षगाँठ, पुण्यतिथि आदि)।

(क) निबन्धात्मकः प्रश्नः 2x7 =14

Unit 3:

काम्यकर्म (व्यापाराम्भ, वाग्दान, विद्यारम्भ, शालाकर्म, शिलान्यास, भूमिपूजन, उद्घाटन आदि)।

(क) निबन्धात्मकः प्रश्नः 1x8 =8

(ख) टिप्पणी 2x3 = 6

Unit 4:

वैदिक पर्व – नवसंवत्सरेष्टि, श्रावणी (रक्षाबंधन), विजयदशमी (दशहरा), शारदीय नवसस्येष्टि (दीपावली), वासन्तीनवसस्येष्टि (होलिका), दयानन्द दशमी आदि।

(क) निबन्धात्मकः प्रश्नः 1x8 =8

(ख) टिप्पणी 2x3 = 6

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

References:

1. पञ्चमहायज्ञविधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती।
2. संस्कार विधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती।

3. नित्यकर्मविधि – आचार्य राजवीर शास्त्री।
4. नित्यकर्मविधि – पं. युधिष्ठिर मीमांसक।
5. आर्य सत्संग प्रदीप – डॉ. सतीश प्रकाश।
6. वैदिक उपासना प्रदीप – डॉ. बलवीर आचार्य।

DEC -II
Semester 1st
Session: 2024-25

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	शोधप्रविधि	Course Code	24L6.0SKT-106(ii)
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 घण्टे

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO: 105.1 छात्रेषु शोधात्मदृष्टिविकासाय शोधस्वरूपावबोधः तथा च निर्देशकशोधार्थीनां अर्हताज्ञानं कारयिष्यते घटकेऽस्मिन् ।

CLO : 105.2 शोधसर्वेक्षणस्य अवबोधनेन शोधस्य अनन्तसंभवना ज्ञानं भविष्यति ।

CLO: 105.3शोधकार्यस्य रूपरेखानिर्माणज्ञानं घटकस्यास्य प्रयोजनम्।

CLO: 105.4 शोधकार्ये संगणकस्य प्रयोगः कथमुपकारकं इति शिक्षणम् अस्मिन् निहितम् ।

Unit 1:

शोधशब्दस्य अर्थ अनुसन्धानस्य (शोधस्य) स्वरूपम्, परिचयः, शोधसमानार्थकाः शब्दाः, (अन्वेषणम्, गवेषणा, अनुशीलनम्, परिशीलनम्, समीक्षा, आलोचना, पर्यालाचेना) शोधस्य उद् देश्यानि महत्व च, शोधार्थिनः शोधनिर्देशकस्य च मूलभूताः अर्हताः।

(क) निबन्धात्मकः प्रश्नः 1x8 =8

(ख) टिप्पणी 2x3 = 6

Unit 2:

शोधसर्वेक्षणस्य स्वरूपम्, उपयोगिता महत्वं च, संस्कृतानुसन्धानस्य उद्देश्यानि, क्षेत्रं च (क) निबन्धात्मकः प्रश्नः 2x7 =14

Unit 3:

शोधस्य विविधप्रकाराः, शोधकार्यस्य रूपरेखा. पूर्वबन्धः (प्राक्कथनम्, सन्दर्भग्रन्थसूची-निर्माणम्, संकेताक्षरसूची, विषयानुक्रमणी) परिशिष्टः ।

(क) निबन्धात्मकः प्रश्नः 1x8 =8

(ख) टिप्पणी 2x3 = 6

Unit 4:

शोधकार्ये संगणकस्य (Computer) प्रयोगः कम्प्यूटरपरिचयः, Google, Email, MS Office, Power Point Presentation, E पत्रिकाः, Care List

(क) निबन्धात्मकः प्रश्नः 1x8 =8

(ख) टिप्पणी 2x3 = 6

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।	7×2 = 14

References:

1. संस्कृतशोधप्रविधि, प्रभुनाथद्विवेदी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी ।

2. शोधप्रविधि, डॉ. विजय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली ।

3 नवीन शोधविज्ञान, डॉ. तिलक सिंह

Semester 2nd

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	ब्राह्मण एवम् उपनिषद्	Course Code	24L6.0SKT-201
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Differentiate the nature of vedic language with reference to the literature of Samhita, Brahman & Upanishad.

CLO 2: Understand the ancient Indian culture as depicted in the literature of Brahman.

CLO 3: Understand the rich heritage of upanishadic philosophy.

CLO 4: Understand the historical and cultural backdrop of these texts, their place within the broader vedic tradition and their contribution to the development of Indian philosophical thought.

CLO 5: Learn the concept, symbolism and cosmological ideas presented in these texts emphasizing their role in shaping early Hindu thought and practises.

Unit 1:

(क) ऐतरेय ब्राह्मण (33वां अध्याय)

(ख)शतपथ ब्राह्मण वाङ्मनस् आख्यान

Unit 2:

कठोपनिषद्

Unit 3:

मुण्डकोपनिषद्

Unit 4:

तैत्तिरीय उपनिषद्

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है (7×2=14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1.

(क) 2 में से 1 सन्दर्भ की व्याख्या 1×7 = 07

(ख)2 में से 1 सन्दर्भ की व्याख्या 1×7 = 07

यूनिट– 2.चार में से दो सन्दर्भ की व्याख्या 2×7 = 14

यूनिट– 3.चार में से दो सन्दर्भ की व्याख्या 2×7 = 14

यूनिट– 4.चार में से दो सन्दर्भ की व्याख्या 2×7 = 14

References:

1. ऐतरेय ब्राह्मण, सायण भाष्य सहित, सम्पादक एवं अनुवादक – डॉ. सुधाकर मालवीय, तारा प्रिंटिंग वर्क्स, वाराणसी।

2.शतपथ ब्राह्मण, नगर पब्लिशर्स, जवाहर नगर, दिल्ली।

3.एकादशोपनिषद्, सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार, प्रकाशक, विजयकृष्ण लखनपाल, नई दिल्ली।

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	संस्कृत व्याकरण – 2	Course Code	24L6.0SKT-202
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the concepts of Sanskrit grammar as outlined in Laghusiddhantkaumudi.

CLO 2: Understand the structural characteristics of Sanskrit language through Panini Grammar with special refrence to tignanta.

CLO 3: Understand the structural characteristics of Sanskrit language through Panini Grammar with special refrence to Kridanta.

CLO 4: Understand the structural characteristics of Sanskrit language through Panini Grammar with special refrence to Taddhit.

Unit 1:

लघुसिद्धान्तकौमुदी – तिङन्त प्रकरण –

भ्वादिगण – भू, अत्, षिध्, गद्, गुप्, क्षि, पा, ग्लै, श्रु, गम्, एध्, कम्, द्युत्, वृत्, यज्, वह्

Unit 2:

लघुसिद्धान्तकौमुदी – तिङन्त प्रकरण –

अदादिगण – हन्, अस्, इण्, शी, दुह्, लिह्, ब्रू

जुहोत्यादिगण – हा, दा णिजिर्

दिवादिगण – नृत्, शो, व्यध्, जन्

स्वादिगण – स्तृ

तुदादिगण – भ्रस्ज, मुच्

रुधादिगण – रुध्, तृह्, हिंस्

तनादिगण – तन्, कृ

क्रयादिगण – क्री, पू, ग्रह्

चुरादिगण – चुर्, कथ, गण्

Unit 3:

कृदन्त प्रकरण (पूर्वकृदन्त एवं उत्तरकृदन्त)

Unit 4:

लघुसिद्धान्तकौमुदी साधारण प्रत्यय, तद्धित प्रकरण – अपत्याधिकार, रक्ताद्यर्थक, चतुर्थिक

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। (7×2=14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1

(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि $2\times4 = 08$

(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या $3\times2 = 06$

यूनिट– 2	
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	3×2 = 06
यूनिट– 3	
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	3×2 = 06
यूनिट– 4	
(क) 5 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×4 = 08
(ख) 5 में से 3 सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	3×2 = 06

References:

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – धरानन्द शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – महेशसिंह कुशवाहा
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – ईश्वर सिंह
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – भीमसेन शास्त्री
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार – डॉ. सत्यपाल सिंह

Semester 2nd

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	वेदान्त एवं मीमांसा	Course Code	24L6.0SKT-203
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand theVedantasar and Arthasangrha.

CLO 2: Describe the metaphysics of Vedanta philosophy.

CLO 3: Acquire the basic knowledge of Mimansa Philosophy.

CLO 4: Learn critical analysis and interpretation of philosophical texts.

CLO 5: Foster a deeper appreciation of ancient philosophical wisdom..

Unit 1:

सदानन्दकृत वेदान्तसार (अध्यारोप प्रकरण पर्यन्त)

Unit 2:

सदानन्दकृत वेदान्तसार (अपवाद प्रकरण से समाप्ति पर्यन्त)

Unit 3:

लौगाक्षिभास्करकृत अर्थसङ्ग्रह (आरम्भ से विधिभाग पर्यन्त)

Unit 4:

लौगाक्षिभास्करकृत अर्थसङ्ग्रह (मन्त्रभाग प्रकरण से समाप्ति पर्यन्त)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। (7×2=14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 2

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 3 चार में से दो टिप्पणी 2×7 = 14

यूनिट– 4 चार में से दो टिप्पणी 2×7 = 14

References:

1.वेदान्तसार, व्याख्या, सन्तनारायण श्रीवास्तव्य, सुदर्शन प्रकाशन, इलाहाबाद।

2.वेदान्तसार, सम्पा., व्याख्या, डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।

3.अर्थसङ्ग्रह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

Semester 2nd

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	मृच्छकटिकम् एवं साहित्यदर्पण	Course Code	24L6.0SKT-204
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Acquire the ability to examine critically the various aspects of Sanskrit dramas.

CLO 2: Understand the plot, themes, characterization and socio-cultural contexts of Mrichchhakatikam.

CLO 3: Understand the theories of Sanskrit poetics.

CLO 4: Understand, interprate and critically analyse the core principles of Sanskrit poetics based on Sahitya Darpan.

CLO 5: Understand the Rasa Nishpatti and Alankaras as presented in Sahityadarpan.

Unit 1:

शूद्रककृत मृच्छकटिकम् (1-5 अङ्क)

Unit 2:

शूद्रककृत मृच्छकटिकम् (6-10 अङ्क)

Unit 3:

साहित्यदर्पण (1-2 परिच्छेद)

Unit 4:

(क) साहित्यदर्पण (परिच्छेद 3.1 से 3.29)

(ख) साहित्यदर्पण परिच्छेद 10, अधोलिखित अलङ्कार –

अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति, श्लेष, उपमा, रूपक, अपह्नुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति,तुल्ययोगिता, दीपक, दृष्टान्त,निदर्शना, समासोक्ति, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, संसृष्टि, सङ्कर।

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। (7×2 =14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 3

(क) 2 कारिकाओं में से 1 की व्याख्या 1×7 = 07

(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×7 = 07
यूनिट – 4	
(क) 2 कारिकाओं में से 1 की व्याख्या	1×6 = 06
(ख) 4 में से 2 अलङ्कारों का लक्षण एवम् उदाहरण = 08	2×4

References:

1.साहित्यदर्पण - शालिराम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

2. मृच्छकटिकम् -श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ

3.मृच्छकटिकम् - रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

4.मृच्छकटिकम् - आचार्य जगदीश प्रसाद पाण्डेय एवं मदनगोपाल भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।

5. मृच्छकटिकम् - शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन, डॉ. शालीग्राम द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

6. साहित्यदर्पण डॉ. निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।

Semester 2nd

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	अनुवाद एवं निबन्ध	Course Code	24L6.0SKT-205
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Express their ideas and interpretations through well structured and coherent essays.

CLO 2: Gain proficiency in translating texts from Sanskrit to Hindi and vice versa.

CLO 3: Effectively convey the ideas in writing in Sanskrit.

CLO 4: Understand the linguistic intricacies as shown in Guptashuddhipradarshnam written by Ambikaduttvyasa.

CLO 5: Students will be able to understand the concepts of Karakas.

Unit 1:

सिद्धान्तकौमुदी – **कारक प्रकरण**

Unit 2:

(क) संस्कृत से हिन्दी अनुवाद

(ख) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद

Unit 3:

अम्बिकादत्तव्यासकृत गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्

Unit 4:

साहित्यिक निबन्ध

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। (7×2=14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1

(क) 6 में से 4 सूत्रों की सोदारहण व्याख्या 4×2 = 08

(ख) 5 में से 3 उदाहरणों में रेखाङ्कित पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश 3×2 = 06

यूनिट– 2

(क) 2 में से 1 अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद 1×7 = 07

(ख) 2 में से 1 अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 1×7 = 07

यूनिट– 3 चार में से दो सन्दर्भों में अशुद्धि का संशोधन 2×7 = 14

यूनिट– 4 चार में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध 1×14 = 14

References:

1. कारकप्रकरणम् (सिद्धान्तकौमुदी), व्याख्याकार – श्री धरानन्द शास्त्री।
2. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी।
3. प्रौढरचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी।
4. संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी।

5. अम्बिकादत्तव्यासकृत गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्।

DEC-2
Semester 2nd
Session: 2024-25

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	वैदिक संस्कार पद्धति	**Course Code**	24L6.0SKT-206(i)
Hours per Week	4	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 घण्टे**

Course Learning Outcomes (CLO):
On successful completion of this course, the students will we able to:
CLO1: Understand the importance of Vedic Sacraments and rituals.
CLO2: Understand the importance and the procedure of Pre & Post birth Sacraments.
CLO3: Perform the sixteen sacraments explained in Sanskarvidhi.

Unit 1:
गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण संस्कार।

Unit 2:
अन्नप्राशन, मुण्डन, कर्णवेध, उपनयन, वेदारम्भ।

Unit 3:
समावर्तन संस्कार तथा विवाह संस्कार।

Unit 4:
वानप्रस्थ, संन्यास तथा अन्त्येष्टि संस्कार।

दिशा-निर्देश –
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। (7×2=14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1
(क) 4 में से 2 की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 **प्रश्न की व्याख्या** 1×6 = 06

यूनिट– 2
(क) 4 में से 2 की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 **प्रश्न की व्याख्या** 1×6 = 06

यूनिट–3
(क) 4 में से 2 की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 **प्रश्न की व्याख्या** 1×6 = 06

यूनिट–4
(क) 4 में से 2 की व्याख्या 2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 **प्रश्न की व्याख्या** 1×6 = 06

References:
1. पञ्चमहायज्ञविधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती।

2. संस्कार विधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती।
3. नित्यकर्मविधि – आचार्य राजवीर शास्त्री।
4. संस्कार चन्द्रिका – डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार।

DEC-2

Semester 2nd

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	मनुस्मृति	Course Code	24L6.0SKT-206(ii)
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO1: Understand the importance of Vedic Sacraments and rituals.

CLO2: Understand the importance and the procedure of Pre & Post birth Sacraments.

CLO3: Perform the sixteen sacraments explained in Sanskarvidhi.

Unit 1:
अध्याय –2(1–70 श्लोक)

Unit 2:
अध्याय –2(71 श्लोक से अन्ततक)

Unit 3:
अध्याय –7(1–70 श्लोक)

Unit 4:
अध्याय –7(71 श्लोक से अन्ततक)

दिशा-निर्देश –

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनका उत्तर संस्कृत मे देना अनिवार्य है।(7×2=14)

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं –

यूनिट– 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट– 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

यूनिट–3

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न की व्याख्या 1×6 = 06

यूनिट–4

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न की व्याख्या 1×6 = 06

FRAMEWORK 2: Scheme S	**Semester**	**Subject**		**Total Credits**
Scheme				
Core Courses	**Elective Courses**	**Practicum Courses/ Dissertation work/ Project work**	**Seminar/Value Added Course/Open Elective Course/Employability & Entrepreneurship Skills Course**	
	CC- 1 (4 Credits)	**DEC-1**	**Seminar**	
	CC- 2 (4 Credits)			
S	**I**	**CC- 3 (4 Credits)**	**4 Credits**	**2 Credits**	**26**
	CC- 4 (4 Credits)			
	CC- 5 (4 Credits)			
	CC- 6 (4 Credits)	**DEC-2**	**CHM**	
	CC- 7 (4 Credits)			
S	**II**	**CC- 8 (4 Credits)**	**4 Credits**	**2 Credits**	**26**
	CC- 9 (4 Credits)			
	CC- 10 (4 Credits)			

An internship course of 4 Credits of 4-6 weeks duration during summer vacation after II$_{nd}$ semester. Internship can be either for enhancing the employability or for developing the research aptitude.

		CC- 11 (4 Credits)	**DEC-3 (4 Credits)**	**OEC**	
S	**III**	**CC- 12 (4 Credits)**	**DEC-4 (4 Credits)**	**2 Credits**	**26**
			DEC-5 (4 Credits)		

			DEC-6 (4 Credits)		
		CC- 13 (4 Credits)	DEC-7 (4 Credits)	EEC	
		CC- 14 (4 Credits)	DEC-8 (4 Credits)		
S	IV				26
			DEC-9 (4 Credits)	2 Credits	
			DEC-10 (4 Credits)		

Scheme of Semester IV when a student opts for Dissertation Work or Project Work

		DEC-7 (4 Credits)		EEC	
S	IV	DEC-8 (4 Credits)	12 Credits	2 Credits	26
		DEC-9 (4 Credits)			

OR

CC-13 (4 Credits)	DEC-7 (4 Credits)	
	DEC-8 (4 Credits)	

Note - Keeping in view the present scenario the option I in semester 4th for the students M.A. Sanskrit is being attached.

Syllabi for Post Graduate Program in Sanskrit

Type of Course			Credits Distribution			Total Credits	Workload			Total Workload	Marks				
	Nomenclature of Course	Course Code	L	T	P		L	T	P		Theory		Practical		Total Marks
											Internal	External	Internal	External	
Semester III (Session 2024-26)															
CC-11	(Common paper) संस्कृति एवं धर्मशास्त्र	24L6.5-SKT-301	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC-12	ज्योतिष शास्त्र के आधारभूत तत्व	24L6.5-SKT-302	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-3	Group -A (Vyakarana) व्याकरण शास्त्र का इतिहास	24L6.5-SKT-303(I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-4	प्राच्य व्याकरण (काशिका)	24L6.5-SKT-303(II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-5	महाभाष्य	24L6.5-SKT-303(III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-6	उणादिपाठ एवं लिंगानुशासन	24L6.5-SKT-303(IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-3	Group -B (Darshan) भारतीय दर्शन का इतिहास	24L6.5-SKT-304(I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-4	बौद्ध एवं जैन दर्शन	24L6.5-SKT-304(II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-5	न्याय एवं प्रशस्तपादभाष्य	24L6.5-SKT-304(III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-6	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	24L6.5-SKT-304(IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-3	Group - C (Sahitya) लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	24L6.5-SKT-305(I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-4	नाट्यशास्त्र	24L6.5-SKT-305(II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-5	नाटक	24L6.5-SKT-305(III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100

DEC-6	काव्यशास्त्र - 1	24L6.5-SKT-305(IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-3	**Group - D (Veda)** olfnd lLÑr lkfgR; dk bfrgkl	24L6.5-SKT-306(I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-4	ऋग्वेद एवं यजुर्वेद संहिता	24L6.5-SKT-306(II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-5	सामवेद, अथर्ववेद, निरुक्त एवं प्रातिशाख्य	24L6.5-SKT-306(III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-6	ब्राह्मण साहित्य	24L6.5-SKT-306(IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-3	**Group -E (Dharmashastra)** धर्मशास्त्र का इतिहास	24L6.5-SKT-307(I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-4	याज्ञवल्क्यस्मृति (आचाराध्याय)	24L6.5-SKT-306(II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-5	जीमूतवाहनकृत दायभाग	24L6.5-SKT-307(III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-6	वशिष्ठ धर्मसूत्र	24L6.5-SKT-307(IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
OEC	lL—r uhfr&lkfgR;	24L6.5-OEC-SKT-301	2	0	0	2	2	0	0	2	15	35			50
Semester IV (Session 2024-26) **OPTION 1**																
CC-13	**(Common paper)** संस्कृत शास्त्र परंपरा	24L6.5-SKT-401	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
CC-14	आयुर्वेद के आधारभूत तत्व	24L6.5-SKT-402	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-7	**Group -A (Vyakarana)** सिद्धान्तकौमुदी - 1	24L6.5-SKT-403 (I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-8	सिद्धान्तकौमुदी - 2	24L6.5-SKT-403 (II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-9	सिद्धान्तकौमुदी - 3	24L6.5-SKT-403 (III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100

DEC-10	व्याकरणदर्शन	24L6.5-SKT-403 (IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-7	**Group - B (Darshan)** योगदर्शन	24L6.5-SKT-404 (I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-8	पूर्व एवम् उत्तरमीमांसा	24L6.5-SKT-404 (II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-9	रामानुज एवं दयानन्द दर्शन	24L6.5-SKT-404 (III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-10	सांख्यदर्शन	24L6.5-SKT-404 (IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-7	**Group - C (Sahitya)** काव्यशास्त्र - 2	24L6.5-SKT-405 (I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-8	संस्कृत महाकाव्य एवं चम्पू	24L6.5-SKT-405 (II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-9	संस्कृत गद्य	24L6.5-SKT-405 (III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-10	संस्कृत छंद, नाट्य एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य	24L6.5-SKT-405 (IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-7	**Group -D (Veda)** उपनिषद् साहित्य	24L6.5-SKT-406(I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-8	श्रौतसूत्र साहित्य	24L6.5-SKT-405(II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-9	गृह्यसूत्र साहित्य	24L6.5-SKT-406(III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-10	धर्मसूत्र एवं शुल्बसूत्र	24L6.5-SKT-406(IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-7	**Group -E (Dharmshastra)** मनुस्मृति	24L6.5-SKT-407(I)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-8	अर्थशास्त्र	24L6.5-SKT-407(II)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-9	याज्ञवल्क्यस्मृति (ik;f”pUkW;k;)	24L6.5-SKT-407(III)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
DEC-10	जैमिनीयन्यायमाला	24L6.5-SKT-407(IV)	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70			100
EEC	संस्कृत काव्य कला	24L 6.5-SKT-408	2	0	0	2	2	0	0	2	15	35			50

(EEC) - Employability and Entrepreneurship skills Courses

Syllabi for Post Graduate Program in Sanskrit

Common paper

CC-11

Semester 3rd

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	संस्कृति एवं धर्मशास्त्र	**Course Code**	24L6.5-SKT-301
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the subject matter of Manusmriti and Yajnavalkyamriti. **CLO 2:** Understand the ancient Indian society as depicted in epics and Puranas.. **CLO 3:** Acquire the knowledge of ancient Indian system of law as narrated in Samraties and Kautilya Arthashastra.			
Unit 1: मनुस्मृति प्रथम अध्याय			
Unit 2: याज्ञवल्क्यस्मृति व्यवहाराध्याय (साधारण व्यवहारमात्रिक प्रकरण ,असाधारण व्यवहार मात्रिक			

प्रकरण, दाय-विभाग प्रकरण
Unit 3: कौटिल्य अर्थशास्त्र (प्रथम भाग - प्रथम अधिकरण)
Unit 4: रामायण, महाभारत एवं पुराण :रामायण व महाभारत के संस्करण, अनुवर्ती साहित्य के प्रेरणा स्रोत के रूप में रामायण व महाभारत, पुराण की परिभाषा, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व, पुराणों में सृष्टि विद्या
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10 (ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04 घटक - 2 (क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×5 = 10 (ख) 2 में से 1 टिप्पणी 1×4 = 04 घटक - 3 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×5 = 10 (ख) 2 में से 1 टिप्पणी

1×4 = 04 घटक - 4 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14

References:

1. मनुस्मृति - सम्पादक, जयन्त कृष्ण हरिकृष्ण दवे, भारतीय विद्या भवन, मुम्बई।
2. मनुस्मृति - सम्पा., गङ्गानाथ झा, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।
3. मनुस्मृति - व्याख्याकार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली।
4. याज्ञवल्क्य स्मृति - व्याख्याकार, गंगासागर राय।
5. याज्ञवल्क्य स्मतृति - उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
6. **Hindu Judicial system - S Vardachari.**
7. **Laws of Manu - G. Buhler.**
8. **Hindu Jurisprudence - P.K. Sen.**
9. कौटिलीय-अर्थशास्त्र टीकाकार डॉ जयकुमार जैन साहित्य भंडार मेरठ
10 पुराण विमर्श चौखम्भा विद्या भवन वाराणसी

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Semester 3rd

Common paper

CC-12

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	ज्योतिष शास्त्र के आधारभूत तत्व	**Course Code**	24L6.5-SKT-302
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the importance of Jyotisha.

CLO 2: Understand the Rashi, Kala, Bhav etc.

CLO 3: Understand the Panchanga, Tithi, Nakshatra, Masa, Ritu, Samvat etc.

Unit 1:

ज्योतिष की परिभाषा, ज्योतिषशास्त्र का वेदाङ्गत्व, वेदाङ्गों में ज्योतिषशास्त्र की श्रेष्ठता, ज्योतिषशास्त्र का प्रयोजन, ज्योतिषशास्त्र की वैज्ञानिकता, ज्योतिष और मनोविज्ञान, ज्योतिष और कर्म, ज्योतिष और भाग्य, ज्योतिष और मानव जीवन

Unit 2:

ज्योतिष की प्रवृत्ति, ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्तक, ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, ज्योतिषशास्त्र के भेद, ज्योतिषशास्त्र के स्कन्धों का सामान्य परिचय

Unit 3:

कालस्वरूप, कालभेद, मासों के नाम, अधिमास ,क्षयमास, ऋतु परिचय, अयनज्ञान, सृष्टि संवत्, विक्रम संवत्, शक संवत्

Unit 4:

पञ्चाङ्ग (तिथि, वार, नक्षत्र, योग एवं करण) परिचय एवं प्रायोगिक ज्ञान

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1. चार में से दो टिप्पणियां **2**×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक - 2. चार में से दो टिप्पणियां **2**×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक - 3. चार में से दो टिप्पणियां **2**×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न 1×14 = 14

घटक - 4. चार में से दो टिप्पणियां **2**×7 = 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न	1×14 = 14

References:

.1भारतीयज्योतिष - श्रीनेमीचन्द्र शास्त्री।

.2ज्योतिषतत्त्व - भाग - 2,1 प्रो .प्रियव्रत शर्मा।

.3मुहूर्तचिन्तामणि - चौखम्बा प्रकाशन।

.4ज्योतिष विवेक - आ .वेदव्रत मीमांसक।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group -A (Vyakarana)

Semester 3rd

3 DECA

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	व्याकरण शास्त्र का इतिहास	**Course Code**	24L6.5-SKT-302(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the traditions of Sanskrit grammar and grammarians. **CLO 2:** Understand the nature of Vedangas which are associated with the tradition of Sanskrit grammar. **CLO 3:** Acquire knowledge of famous work of Pre Paninian and post Paninians Sanskrit Grammarians.			
Unit 1: शिक्षा, निरुक्त, प्रातिशाख्य			
Unit 2: पाणिनीय परम्परा			
Unit 3: पाणिनीयेतर परम्परा			

Unit 4: नव्य व्याकरण और व्याकरण दर्शन
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 2 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 3 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 4

दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न

1×14= 14

अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14

References:

1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास) भाग 1-3) - युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़)सोनीपत)
2. व्याकरण शास्त्र का इतिहास) छात्रोपयोगी संस्करण-(युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़, सोनीपत
3. संस्कृत व्याकरण का इतिहास - सत्यकाम वर्मा।
4. संस्कृत व्याकरण की रुपरेखा - डॉ. यज्ञवीर दहिया, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - बलदेव उपाध्याय
6. व्याकरण दर्शन - रामसुरेश त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group -A (Vyakarana)

Semester 3rd

4 DECA

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	प्राच्य व्याकरण (काशिका)	**Course Code**	24L6.5-SKT-302(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Learn the general rules of Sanskrit Grammar according to Sutra system as narrated by Panini. **CLO 2:** Understand various technical terms of Sanskrit grammar. **CLO 3:** Understand the forms of Aatmane-Pada and Parasmai-Pad..			
Unit 1: काशिका (प्रथम अध्याय-1-2 पाद)			
Unit 2: काशिका (प्रथम अध्याय- 3-4 पाद)			
Unit 3:काशिका (द्वितीय अध्याय-1-2 पाद)			

Unit 4: काशिका (द्वितीय अध्याय- 3-4 पाद)
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 छः में से चार सूत्रों की उदाहरण एवं प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या 4×3.5 = 14 घटक - 2 छः में से चार सूत्रों की उदाहरण एवं प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या 4×3.5 = 14 घटक - 3 छः में से चार सूत्रों की उदाहरण एवं प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या 4×3.5 = 14 घटक - 4 छः में से चार सूत्रों की उदाहरण एवं प्रत्युदाहरण सहित व्याख्या 4×3.5 = 14
References: 1. काशिका, व्याख्या-जयशंकर लाल त्रिपाठी, तारापुर बुक एजेंसी, वाराणसी। 2. काशिका, व्याख्या- डॉ. वेदपाल विद्याभास्कर, साहित्य भण्डार, मेरठ। 3. काशिका, व्याख्या- पं. ईश्वर चन्द्र, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।

Group -A (Vyakarana)

Semester 3rd

5 DECA

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	महाभाष्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-302(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Describe the aims and objectives of Sanskrit grammar according to Patanjali.

CLO 2**:** Read and understand Mahabhashya.

CLO 3**:** Understand the philosophy of language.

Unit 1:

प्रथम आह्निक (प्रारम्भ से अस्त्यप्रयुक्तः वार्तिक से पूर्व तक)

Unit 2:

प्रथम आह्निक (अस्त्यप्रयुक्तः वार्तिक से अंत तक)

Unit 3:

द्वितीय आह्निक (अइउण् से लेकर ऐऔच् प्रत्याहार सूत्र तक)

Unit 4: द्वितीय आह्निक (हयवरट् से लेकर झभञ् प्रत्याहार सूत्र तक)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 प्रश्न का उत्तर 1×8 = 08

घटक - 2

(क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 प्रश्न का उत्तर 1×8 = 08

घटक - 3

(क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 प्रश्न का उत्तर 1×8 = 08

घटक - 4

(क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 प्रश्न का उत्तर 1×8 = 08

References:

1. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार- युधिष्ठिर मीमांसक
2. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार- चारुदेव शास्त्री
3. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार- डॉ. सुदर्शन देव आचार्य
4. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार- डॉ. अवनीन्द्र कुमार
5. व्याकरण महाभाष्य, व्याख्याकार- डॉ. भीम सिंह

Group -A (Vyakarana)

Semester 3rd

6 DECA

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	उणादिपाठ एवं लिङ्गानुशासन	**Course Code**	24L6.5-SKT-302(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the rules of sentence formation of Sanskrit language.

CLO 2: Understand the gender rules of Sanskrit's grammar.

CLO 3: Read and understand the Unadipath and Linganushasn.

Unit 1:

उणादिपाठ - प्रथम पाद

Unit 2:

उणादिपाठ - द्वितीय पाद

Unit 3:

उणादिपाठ - तृतीय पाद

Unit 4: लिङ्गानुशासन

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×2 = 04

घटक - 2

(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×2 = 04

घटक - 3

(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×2 = 04

घटक - 4 छः में से चार सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या 4×3.5 = 14

References:

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी-बालकृष्ण पंचोली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी- गिरिधर एवं परमेश्वरानन्द
3. लिगानुशासन-आचार्य सुदर्शन देव, गुरुकुल महाविद्यालय, झज्जर

Semester 3rd

3 DECB

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	भारतीय दर्शन का इतिहास	**Course Code**	24L6.5-SKT-303(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Acquire a thorough knowledge of the fundamental principles, doctrines, and methodologies of Charvaka, Bauddha, Jain, Nyaya, Vaisheshika, Samkhya, Yoga, Vedanta, and Mimansa philosophies.

CLO 2: Develop critical thinking skills through the analysis and evaluation of the logical structures, metaphysical assumptions, and ethical implications embedded in the diverse Indian philosophical traditions.

CLO 3: Read and understand the historical evolution of Indian philosophy, recognizing the socio-cultural factors that contributed to the development of various philosophical schools.

CLO 4: Demonstrate the ability to compare and contrast different Indian philosophical schools, identifying both points of convergence and divergence in their worldviews.

Unit 1: चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन

Unit 2: न्याय एवं वैशेषिक दर्शन
Unit 3: सांख्य एवं योग दर्शन
Unit 4: वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 2 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 3 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14

अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14

घटक - 4

दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न

1×14= 14

अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14

References:

1. भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय दर्शन का इतिहास - एस. एन. दासगुप्ता
3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा - एम. हिरियन्ना
4. An outline of Indian philosophy - Dutta and Chatterji
5. भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र

Semester 3rd

4 DECB

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	बौद्ध एवं जैन दर्शन	**Course Code**	24L6.5-SKT-303(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Know the general Metaphysics of Astheistic philosophies. **CLO 2:** Understand the various theories of Bauddha philosophy, shunyawad, vijnanawad, Bahya-Anumeyavad, Bahya-pratyakshavada. **CLO 3:** Understand the metaphysics and ethics of Jain Philosophy.			
Unit 1: बौद्धदर्शन - शून्यवाद निरूपणपर्यन्त (सर्वदर्शनसंग्रह माधवाचार्य)			
Unit 2: बौद्धदर्शन - विज्ञानवाद निरूपण से अन्त तक (सर्वदर्शनसंग्रह माधवाचार्य)			
Unit 3: जैनदर्शन - पञ्च महाव्रत निरूपण (सर्वदर्शनसंग्रह माधवाचार्य)			

Unit 4: जैनदर्शन-तत्त्व निरूपण से अन्त तक (सर्वदर्शनसंग्रह माधवाचार्य)
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 (क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06 (ख) 2 में से 1 प्रश्न का उत्तर 1×8 = 08 घटक - 2 (क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06 (ख) 2 में से 1 प्रश्न का उत्तर 1×8 = 08 घटक - 3 (क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06 (ख) 2 में से 1 प्रश्न का उत्तर 1×8 = 08 घटक - 4 (क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06 (ख) 2 में से 1 प्रश्न का उत्तर 1×8 = 08
References: 1. सर्वदर्शनसंग्रह - माधवाचार्य, संस्कृत टीकाकार-काशीनाथ वासुदेव अभ्यंकर

2. सर्वदर्शन संग्रह - हिन्दी व्याख्या, उमाशंकर शर्मा ऋषि
3. भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय दर्शन -भाग-1, राधाकृष्णन्
5. बौद्धदर्शन मीमांसा - बलदेव उपाध्याय
6. बौद्धदर्शन - राहुल सांकृत्यायन
7- SarvaDarshan Sangrah - Eng. Tr. E.B. Cowelland. E. Gough
8- Buddhist Logic (Vol I&II) Tr. St. Cherbtsky.

Group -B (Darshan)

Semester 3rd

5 DECB

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	न्याय एवं प्रशस्तपादभाष्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-303 (iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand The 16 categories of Nyaya philosophy. **CLO 2:** Read and understand the Nyayasutar with Vatsyayan Bhashya. **CLO 3:** Understand the basics of Vaisheshik Darshan according to Prashastapada Bhashya.			
Unit 1: न्यायसूत्र-(वात्स्यायन भाष्य सहित प्रथम अध्याय प्रथम आह्निक)			
Unit 2: न्यायसूत्र- (वात्स्यायन भाष्य सहित प्रथम अध्याय द्वितीय आह्निक)			
Unit 3: प्रशस्तपादभाष्यम् - साधर्म्य वैधर्म्य निरूपणपर्यन्त			

Unit 4:

प्रशस्तपादभाष्यम् - द्रव्य निरूपणपर्यन्त

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 2 में से 1 सन्दर्भ की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×8 = 08

घटक - 4

(क) 2 में से 1 सन्दर्भ की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×8 = 08

References:

1. न्यायदर्शनम् - सम्पा. श्री नारायण मिश्र
2. न्यायदर्शनम् - आचार्य उदयवीर शास्त्री
3. न्यायदर्शन - ब्रह्ममित्र अवस्थी

Semester 3rd

6 DECB

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	**Course Code**	24L6.5-SKT-303(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand Nyayasiddhanta-muktavli.

CLO 2**:** Acquire knowledge of direct perception as valid source knowledge according to Nyayasiddhanta-muktavli.

CLO 3**:** Describe the inference as valid source of knowledge according to Nyayasiddhanta-muktavli.

Unit 1:

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड कारिका 1-34)

Unit 2:

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड कारिका 35-65)

Unit 3: न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमान खण्ड)

Unit 4:

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (उपमान एवं शब्द खण्ड)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1 चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	2×7 = 14
घटक - 2 चार में से दो कारिकाओं की व्याख्या	2×7 = 14
घटक - 3	
(क) 2 में से 1 कारिका की व्याख्या	1×7 = 07
(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न	1×7 = 07
घटक - 4 दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	1×14= 14

References:

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली प्रत्यक्ष खण्ड- डॉ. धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - डॉ.गजानन शास्त्री, मुसलगावकर
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - आचार्य लोकमणि दाहाल
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - चन्द्रधारी सिंह
5. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - (दिनकरी-रामरुद्री टीका), चैखम्बा, वाराणसी
6. भारतीय दर्शन का इतिहास - एस. एन. दास गुप्त
7. भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय
8. Bhashya-Prichchhed with Muktavali-Swami Madhvanand.

Critique of Indian Realism-D.N. shastri.

Group - C (Sahitya)

Semester 3rd

3 DECC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	**Course Code**	24L6.5-SKT-304(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the history of Sanskrit poetry from Ashwaghosh to Sri Harsh. **CLO 2:** Understand the history of Sanskrit prose from Arya Shoor to Ambikadatta Vyas. **CLO 3:** Understand the history of Sanskrit drama from Bhasa to Bhattanarayan.			
Unit 1: महाकाव्य (अश्वघोष से श्रीहर्ष तक)			
Unit 2: (क) गद्यकाव्य (आर्यशूर से अम्बिकादत्त व्यास तक) (ख) कथा साहित्य (विष्णुशर्मा से सोमदेव तक)			
Unit 3: नाट्यसाहित्य (भास से भट्टनारायण तक)			

Unit 4: अन्य काव्यविधाएं - खण्ड काव्य, गीतिकाव्य, मुक्तक काव्य, स्तोत्र काव्य एवं चम्पूकाव्य (कालिदास से जगन्नाथ तक)
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 2 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 3 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14

घटक - 4 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14
References: 1 .संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - वाचस्पति गैरोला 2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय 3. साहित्य का इतिहास - एस .के .डे. 4. History of Sanskrit Literature - M. Krishnammachari.

Group - C (Sahitya)

Semester 3rd

4 DECC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	नाट्यशास्त्र	**Course Code**	24L6.5-SKT-304(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the theory of Sanskrit dramaturgy. **CLO 2:** Describe various types of theatres according to Bharat Muni. **CLO 3:** Understand the technical terms of dramaturgy according to Dhananjay. **CLO 4:** Classify various types of dramas according to Dhananjay.			
Unit 1: नाट्यशास्त्रम् भरत (प्रथम अध्याय)			
Unit 2: नाट्यशास्त्रम् भरत (द्वितीय अध्याय)			
Unit 3: दशरूपकम् धनञ्जय (प्रथम प्रकाश)			

Unit 4:

दशरूपकम् धनञ्जय (तृतीय प्रकाश)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. नाट्यशास्त्र - व्या. भोलानाथ व्यास

2. दशरूपक - व्या. श्रीनिवास शास्त्री

3. दशरूपक - व्या. भोलाशङ्कर व्यास, चैखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Group - C (Sahitya)

Semester 3rd

5 DECC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	नाटक	**Course Code**	24L6.5-SKT-304(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Study of Vishakhdutt and Bhavabhui as dramatists. **CLO 2:** Read and understand of Mudrarakshasam. **CLO 3:** Read and understand of Uttarramcharitam			
Unit 1: विशाखदत्तकृत मुद्राराक्षसम् (1-3 अङ्क)			
Unit 2: विशाखदत्तकृत मुद्राराक्षसम् (4-7 अङ्क)			
Unit 3: भवभूतिकृत उत्तररामचरितम् (1-3 अङ्क)			

Unit 4:

भवभूतिकृत उत्तररामचरितम् (4-7 अङ्क)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1 चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2×7 = 14
घटक - 2 चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	2×7 = 14
घटक - 3	
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06
घटक - 4	
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06

References:

1. मुद्राराक्षसम् - व्या. डॉ. निरुपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
2. मुद्राराक्षसम् - व्या. पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
3. उत्तररामचरितम् - व्या. तारिणीश झा।
4. उत्तररामचरितम् - व्या. डॉ. कृष्णलाल शुक्ल एवं डॉ. रमाकान्त शुक्ल।

Group - C (Sahitya)

Semester 3rd

6 DECC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	काव्यशास्त्र - 1	**Course Code**	24L6.5-SKT-304(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Describe the purpose of poetry. **CLO 2:** Define and classify the various form of poetry. **CLO 3:** Understand the theories of Kavyagun, Ras and Alankar.			
Unit 1: काव्यप्रकाश (उल्लास 1, 2)			
Unit 2: काव्यप्रकाश (उल्लास 3, 4 भावशबलता ध्वनि पर्यन्त)			
Unit 3: काव्यप्रकाश (उल्लास 5 गुणीभूत व्यङ्ग्य के भेद पर्यन्त, उल्लास 6)			

Unit 4:

काव्यप्रकाश (उल्लास 7 काव्यदोष - सामान्य लक्षण, पददोष, वाक्यदोष एवं रसदोष, उल्लास 8)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. काव्यप्रकाश, सम्पादक श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।

2. काव्यप्रकाश, व्या. आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

3. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय

Group - D (Veda)

Semester 3rd

3 DECD

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	ofnd lLÑr lkfgR; dk bfrgkl	**Course Code**	24L6.5-SKT-305(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Gain foundational knowledge about the Vedas and Vedangas. This includes an overview of their historical development, contents, structures and significance in Indian religious, philosophical and cultural contexts.

CLO 2: Explore the subject matter of Brahmanas, Aaranyakas and Upanishads. They will be able to understand their thematic concerns, literary styles and philosophical teachings.

CLO 3: Know the subject matter, poetic and metaphysical aspects of the Vedic hymns.

CLO 4: Involve in the study of the literature of some important Bhashyakaras.

Unit 1:

संहिता साहित्य - रचनाकाल, वर्ण्य-विषय

Unit 2: (क) ब्राह्मण साहित्य - रचनाकाल, वर्ण्य-विषय

(ख) आरण्यक एवं उपनिषद् - रचनाकाल, वर्ण्य-विषय
Unit 3: वेदाङ्ग साहित्य - रचनाकाल, वर्ण्य-विषय
Unit 4: वेदार्थ परम्परा - वेदार्थ पद्धति एवं वेद भाष्यकार
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 2 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 3 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 4 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14
References: 1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय 2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - वाचस्पति गैरोला 3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

Group - D (Veda)

Semester 3rd

4 DECD

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	ऋग्वेद एवं यजुर्वेद संहिता	**Course Code**	24L6.5-SKT-305(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the subject matter and characteristics of various deities in Rigveda.

CLO 2: Understand the subject matter of Yajurveda with reference to the commentaries of Uvvat, Mahidhar and Dayananda.

CLO 3: Describe the subject matter of Rigveda and Yajurveda Samhita.

Unit 1:

ऋग्वेद संहिता - अग्नि (1.19), सूर्य (1.50), ब्रह्मणस्पति (2.23), मित्र (3.59), ऊषस् (3.61), सङ्घटन (10.191)

Unit 2:

ऋग्वेद संहिता - बृहस्पति (4.50), पर्जन्य (5.83), पूषन् (6.53), वरुण (1.25)

Unit 3:

यजुर्वेद संहिता - (अध्याय 1, 32) उव्वट, महीधर तथा स्वामी दयानन्द के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन
Unit 4: यजुर्वेद संहिता - (अध्याय 34, 36) उव्वट, महीधर तथा स्वामी दयानन्द के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 2 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 3 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 4 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06
References: 1. ऋक्सूक्तसङ्ग्रह - कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार सुभाष बाजार, मेरठ।

2. शुक्लयजुर्वेदभाष्य - उव्वट-महीधरकृत
3. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद का सुबोध भाष्य - श्रीपाद दामोदर सातवलेकर पारडी।
4. ऋग्वेद एवं यजुर्वेद भाष्य - महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय, अजमेर।
5. ऋग्वेद सायण भाष्य - विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर।
6. वैदिक सङ्ग्रह एवं व्याख्या - बलदेव मेहरा।

Group - D (Veda)

Semester 3rd

5 DECD

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	सामवेद, अथर्ववेद, निरुक्त एवं प्रातिशाख्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-305(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the subject matter of Samaveda evam Atharvaveda Samhitha.

CLO 2: Read and understand specific mantras of Samaveda.

CLO 3: Read and understand specific suktas of Atharvaveda.

CLO 4: Understand the Sanjnapatal of Rikpratishakhya.

Unit 1:

सामवेद संहिता - पूर्वार्चिक, प्रथम प्रपाठक, प्रथमार्ध (1 से 64 मात्र)

Unit 2:

अथर्ववेद संहिता - मेधाजनन सूक्त (1.1), अपाम्भेषजम् (1.5, 1.6) सामनस्य (6.64), शत्रुबाधन (1.16), राज्ञः संवरण (6.87), ध्रुवो राजा (6.80), सभा समितिश्च (7.13) विराट्

(8.102), राष्ट्रबल (19.41), ब्रह्मा (19.43), पूर्णायु (19.61), दीर्घायु (19.67)

Unit 3:

निरुक्त - दैवतकाण्ड (अध्याय - 7)

Unit 4:

ऋक्प्रातिशाख्य - संज्ञापटल

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 मन्त्रों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 मन्त्रों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4 छः में से चार सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या 4×3.5 = 14

References:

1. सामवेद संहिता - सायण भाष्य

2. सामवेद संहिता - डॉ. रामनाथ वेदालङ्कार

3. सामवेद का सुबोध भाष्य - श्रीपाद दामोदर सातवलेकर
4. अथर्ववेद संहिता - सायण भाष्य
5. अथर्ववेद संहिता भाष्य - क्षेमकरणदास त्रिवेदीय़
6. वेदार्थदीपक निरुक्तभाष्य - चन्द्रमणि विद्यालङ्कार, गुरुकुल नरेला।
7. हिन्दी निरुक्त - डॉ. कपिलदेव शास्त्री
8. ऋक्प्रातिशाख्य - डॉ. वीरेन्द्र कुमार वर्मा

Group - D (Veda)

Semester 3rd

6 DECD

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	ब्राह्मण साहित्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-305(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Read and understand the subject matter of Aitreya Brahman. **CLO 2:** Read and understand the subject matter of Shatapath Brahman. **CLO 3:** Read and understand the subject matter of Gopath Brahman.. **CLO 4:** Gain comprehensive understanding of the historical context in which these Brahmanas were written as well as their contribution to Vedic literature.			
Unit 1: ऐतरेय ब्राह्मण (अध्याय 38 - 40)			
Unit 2: शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड प्रथम अध्याय, ब्राह्मण 1 - 2)			
Unit 3:			

शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड प्रथम अध्याय, ब्राह्मण 3 - 4)
Unit 4: गोपथ ब्राह्मण (पूर्वभाग - ब्राह्मण धर्मस्थापनम्, प्रपाठक - 2 कण्डिका 1 - 7)
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 2 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 3 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 4 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06
References: 1. ऐतरेय ब्राह्मण - सायण भाष्य 2. शतपथ ब्राह्मण - सायण भाष्य 3. गोपथ ब्राह्मण - क्षेमकरणदास त्रिवेदी

Group - E (Dharmashastra)

Semester 3rd

3 DECE

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	धर्मशास्त्र का इतिहास	**Course Code**	24L6.5-SKT-306(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Gain adequate knowledge of about the vast history of Dharmasastra Literature. **CLO 2:** Understand the individual contribution of Acharyas. **CLO 3:** Gain adequate knowledge about the vast Smriti Literature. **CLO 4:** Gain adequate knowledge about the Ramayana and Mahabharata as major books of ethics.			
Unit 1: प्रमुख धर्मसूत्र - गौतम, बोधायन, आपस्तम्ब, वशिष्ठ, विष्णु, हारित, शंखलिखित, अत्रि, उषना			
Unit 2: प्रमुख स्मृतिग्रन्थ - मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, पराशरस्मृति एवं नारदस्मृति -			

सामान्य परिचय, रचनाकाल एवं वर्ण्य विषय
Unit 3: वाल्मीकि रामायण - सामान्य परिचय, रचनाकाल, संस्करण एवं वर्ण्यविषय
Unit 4: महाभारत - सामान्य परिचय, रचनाकाल, संस्करण एवं वर्ण्यविषय
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 2 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 3 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा

चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14 घटक - 4 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14= 14 अथवा चार में से दो टिप्पणी 2×7= 14
References: 1. धर्मशास्त्र का इतिहास - महामहोपाध्याय पी.वी. काणे 2. धर्मशास्त्रेतिहासः - प्रो. जयकृष्ण मिश्र 3. धर्मशास्त्रेतिहासः - प्रो. खगेश्वर मिश्र 4. History of Dharmashastra - Kane P.V

Group - E (Dharmashastra)

Semester 3rd

4 DECE

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय)	**Course Code**	24L6.5-SKT-306(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the subject matter of yajnavalakyasmriti.

CLO 2: Understand ancient religious system.

CLO 3: Acquire the knowledge of ancient ethos through the study of the text of yajnavalakyasmriti.

Unit 1:

याज्ञवल्क्यस्मृति (आचाराध्याय) - उपोदघात प्रकरण, ब्रह्मचारी प्रकरण

Unit 2:

याज्ञवल्क्यस्मृति (आचाराध्याय) - विवाह प्रकरण, गृहस्थधर्म प्रकरण

Unit 3:

याज्ञवल्क्यस्मृति (आचाराध्याय) - स्नातकधर्म प्रकरण, भक्ष्याभक्ष्य प्रकरण

Unit 4:

याज्ञवल्क्यस्मृति (आचाराध्याय) - द्रव्यशुद्धि प्रकरण, दान प्रकरण, राजधर्म प्रकरण

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. याज्ञवल्क्यस्मृति - विज्ञानेश्वरकृतमिताक्षराटीकोपेता।
2. याज्ञवल्क्यस्मृति - गङ्गासागर राय।
3. धर्मसूत्रीय आचारसंहिता - डॉ. नरेन्द्र कुमार।

Group - E (Dharmashastra)

Semester 3rd

5 DECE

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	जीमूतवाहनकृत दायभाग	**Course Code**	24L6.5-SKT-306(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Read and understand Jimutvahankrit Dayabhaga. **CLO 2:** Understand ancient legal system. **CLO 3:** Acquire the knowledge of ancient Indian political religious and constitutional systems through the text of Jimutvahankrit Dayabhaga.			
Unit 1: जीमूतवाहनविरचित दायभाग (अध्याय 1 - 2)			
Unit 2: जीमूतवाहनविरचित दायभाग (अध्याय 4 - 5)			
Unit 3: जीमूतवाहनविरचित दायभाग (अध्याय 9 - 10)			

Unit 4:

जीमूतवाहनविरचित दायभाग (अध्याय 12 - 14)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. दायभाग जीमूतवाहन, सं. मीमांसारत्न सुब्रह्मण्यशास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

2. दायभागः - अनुवादिका सम्पादिका च - प्रो. नीना डोगरा,
श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, नवदेहली।

3. Daybhag & Mitakshara - H.T. Colebrooke, Parimal publication.

Group - E (Dharmashastra)

Semester 3rd

6 DECE

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	वशिष्ठधर्मसूत्र	**Course Code**	24L6.5-SKT-306(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Read and understand the subject matter of Vashishtha Dharmsutra. **CLO 2:** Understand ancient Indian ethos through the text of Vashishtha Dharmsutra. **CLO 3:** Acquire the knowledge of ancient Indian culture and religious practises.			
Unit 1: वशिष्ठधर्मसूत्र अध्याय 1 - 4			
Unit 2: वशिष्ठधर्मसूत्र अध्याय 5 - 12			
Unit 3: वशिष्ठधर्मसूत्र अध्याय 13 - 18			

Unit 4:

वशिष्ठधर्मसूत्र अध्याय 19 से अन्त तक

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. वशिष्ठधर्मशास्त्रम् - गवर्मेण्ट सैण्ट्रल बुक डिपो, मुम्बई।
2. Vasishtha Dharmasutra - Dr. Nabanita Sharma.

Open Elective Course

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	lL—r uhfr&lkfgR;	**Course Code**	24L6.5-OEC-SKT-301
Hours per Week	**2**	**Credits**	**2**
Maximum Marks	**50**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

CLO 1:The students will be able to know the importance of self respect according to Nitishatakam.

CLO 2: The students will be able to know the various components of ethics & morality through the readings of Vidur Niti.

CLO 3: The students will be able to know the various components of ethics & morality through the readings of Nitishatakam

CLO 4: The students will be able to know the importance of morality.

CLO 5: The students will be able to know the outlines of Niti Literature available in Sanskrit Tradition.

Unit 1: 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2x4=8

Vidur Niti

Chapter - 1 (01-35 Verses)
Unit 2: 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2x5=10 Hitopadeshn Mitralabha - Kathamukh, Kaka-Mriga - Kurma - Mushika - Katha, Gridha - Vidal - Katha
Unit 3: 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2x4.5=9 Niti Shatkam (Verses 11 - 30)
Unit 4: 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2x4=8 श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय - 16
References: 1 विदुरनीति, चौखम्बा प्रकाशन, दिल्ली।

2 हितोपदेश, चौखम्बा प्रकाशन, दिल्ली।

3 विष्णुदत्त शर्मा साखी, नीतिशतकम ज्ञान प्रकाशन मेरठ।

4 A collection of Ancient Hindu Tales (ed.) Franklin Edgerton, Johannes Hertal, 1908.

5 उमाशंकर शर्मा ऋषि**,** संस्कृत साहित्य का इतिहास**,** चौखम्बासुरभारती प्रकाशन वाराणसी

6 Keith Arthur Berriedale. A History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.

7 श्रीमद्भगवद्गीता **-** गीता प्रेस गोरखपुर

Sr. No.	Note : Formative Assessment Model	Marks Distribution
01.	End Term Exam	35
02.	Class Assignments/Presentation	05
03.	Class Particiaption	05
04.	Mid Term Exam	05
	Total Marks	50

Common Paper

CC-13

Semester 4th

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	संस्कृत शास्त्र परम्परा	**Course Code**	24L6.5-SKT-401
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Students can learn about the ancient scholars (Acharyas) of Ayurveda, Rasayana Shastra, mathematics (Ganitagya Aacharya), literature (Sahitya Shastra Aacharya), prosody (Chhanda Aacharya), and grammar (Vyakaran Aacharya).

Unit 1: आयुर्वेद एवं रसायन-शास्त्र सामान्य परिचय

14

चरक संहिता~] सुश्रुत संहिता] वाग्भट्ट] बोपदेव] हेमाद्रि] कायस्थ चामुण्ड] तीसट भावमिश्र]

टोडरानन्द] लोलिम्बराज] नागार्जुन] गोविन्दभगवत्पाद] रसेन्द्रचूडामणि] रसप्रकाश] रसार्णव] रसराजलक्ष्मी] रसेन्द्रसारसंग्रह] रसरत्नसमुच्चय] रसरत्नाकर] रसेन्द्रचिन्तामणि] रससार] रसेन्द्रकल्पद्रुम
Unit 2: ज्योतिष एवं गणित-शास्त्र सामान्य परिचय 14 बोधायन] कात्यायन] आपस्तम्ब] वराहमिहिर (पंचसिद्धान्तिका] ब्रह्मगुप्त] आर्यभट्ट] भास्कराचार्य (प्रथम] कल्याणवर्मा] लल्ल] भास्कराचार्य (द्वितीय] श्रीधर] श्रीपति] महावीर] मुनीश्वर]
Unit 3: साहित्य-शास्त्र सामान्य परिचय 14 भरत] मेधाविरुद्र] भामह] दण्डी] उद्भटभट्ट] आनन्दवर्धन] मम्मट] विश्वनाथ] अभिनवगुप्त] राजशेखर] मुकुलगट्ट] धनंजय] मट्टनायक] कुन्तक] महिमभट्ट] भोजराज] रुय्यक] शारदातनय] शिंगभूपाल] रूपगोस्वामी] अप्पयदीक्षित] विश्वेश्वरपण्डित] रस-सम्प्रदाय] अंलकार सम्प्रदाय] रीति-सम्प्रदाय] वकोक्ति-सम्प्रदाय] ध्वनि-सम्प्रदाय] औचित्यसम्प्रदाय
Unit 4: छन्द] कोश एवं व्याकरण-शास्त्र सामान्य परिचय 14 छन्द शास्त्र- आचार्यपिंगल] जयदेव] जयकीर्ति] केदारभट्ट] क्षेमेन्द्र] हेमचन्द्र] गंगादास]

कोश निघण्टु] यास्क] देवराजयज्वा] दुर्गाचार्य] भास्कराय] अमरसिंह] अमरकोश के टीकाकार] शाश्वत धनंजय] पुरुषोत्तमदेव] हलायुध] यादवप्रकाश] महेश्वर] अजय] मेदिनीकोश] हेमचन्द्र] केशवस्वामी] केशव] शाहजी महाराज] हर्षकीर्ति] महामहोपाध्याय] रामावतार शर्मा] व्याकरण-शास्त्र- पाणिनि पूर्व वैयाकरण] पाणिनि] कात्यायन] पतंजलि] भर्तृहरि] वामनजयादित्य] रामचन्द्राचार्य] भट्टोजिदीक्षित] कौण्डभट्ट]वरदराज] नारायणभट्ट] नागेशभट्ट, इतर सम्प्रदाय- कातन्त्र व्याकरण] चान्द्र व्याकरण] जैनेन्द्र व्याकरण] भोज व्याकरण] सिद्धहैम व्याकरण] सारस्वत व्याकरण] मुग्धबोध] संक्षिप्तसार व्याकरण
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 2×7 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - यूनिट - 1 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन में से दो टिप्पणी 1×1 =14 2×7 = 14 यूनिट - 2 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन में से दो टिप्पणी 1×14 =14 2×7 = 14

यूनिट - 3 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन में से दो टिप्पणी
1×14 =14

2×7 = 14

यूनिट - 4 दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन में से दो टिप्पणी
1×14 =14

2×7 = 14

References:

1 संस्कृत शास्त्रों का इतिहास आचार्य बलदेव उपाध्याय

2 संस्कृत साहित्य का इतिहास वाचस्पति गैरोला

3. व्याकरणशास्त्र का इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण) युधिष्ठिर मीमांसक,रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़

4. संस्कृत व्याकरण का इतिहास सत्यकाम वर्मा

5 संस्कृत कोशों का उदभव एवं विकास : डॉ देवव्रत सेन शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

6 अमरकोष **(**प्रथमकाण्ड**),** कन्हैयालाल जोशी**,** मोतीलाल बनारसीदास**,** दिल्ली
7 अमरकोष**,** मोतीलाल बनारसीदास**,** दिल्ली
8 नाट्यशास्त्र विश्वकोष**,** राधावल्लम त्रिपाठी**,** मोतीलाल बनारसीदास**,** दिल्ली
9 वैदिक पदानुक्रम कोष**,** मोतीलाल बनारसीदास**,** दिल्ली
10 वाचस्पत्यम **(6** भाग**),** भारतीय विद्या प्रकाशन दिल्ली
11 शब्दकल्पदुम **(8** भाग **)** भारतीय विद्या प्रकाशन**,** दिल्ली
12 शब्दकोस्तुम **(3** भाग**),** भारतीय विद्या प्रकाशन**,** दिल्ली

Common Paper

CC-14

4TH Semester

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	आयुर्वेद के आधारभूत तत्त्व	**Course Code**	24L6.5-SKT-402
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the subject matter of Jaiminiyanyayamalavistar.

CLO 2: Understand Dharma according to the philosophy of Poorva Mimansa.

CLO 3: Acquire the knowledge of various rituals through the text of Jaiminiyanyayamalavistar.

Unit 1:

आयुर्वेद उद्गम, अर्थ, परिभाषा, प्रयोजन, इतिहास एवं रोग निदान तथा परीक्षण के प्रमुख सिद्धान्त

Unit 2:

दोष - अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। धातु - अर्थ, परिभाषा, प्रकार

कार्य एवं विकृति के परिणाम। उपधातु - अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। मल - अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। स्रोतस - अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। इन्द्रिय - अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। प्राण - अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। प्राणायाम - अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। प्रकृति - अर्थ, परिभाषा, प्रकार कार्य एवं विकृति के परिणाम। देह-प्रकृति - अर्थ, परिभाषा, प्रकार, कार्य एवं देह-प्रकृति के परिणाम।
Unit 3: प्रमुख जड़ी-बूटियों का सामान्य परिचय, गुणधर्म, स्वास्थ्य संवर्द्धानात्मक एवं चिकित्सकीय प्रयोग - आक, अजवाइन, आंवला, अपामार्ग, अश्वगंधा, तुलसी, गिलोय, ब्राह्मी, धनिया, अदरक, इलायची, हरड़, नीम, हल्दी व ग्वारपाठा।
Unit 4: पंचकर्म - पूर्वकर्म, प्रधानकर्म और पश्चात् कर्म - अर्थ, परिभाषा, प्रकार, प्रयोजन, लाभ, हानि, सावधानियां एवं स्वास्थ्य संवर्धनात्मक एवं चिकित्सकीय प्रयोग
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं। घटक - 1. चार में से दो टिप्पणियां **2×**7 = 14 अथवा दो में से एक प्रश्न **1×**14 = 14 घटक - 2. चार में से दो टिप्पणियां **2×**7 = 14 अथवा

दो में से एक प्रश्न	1×14 = 14
घटक - 3. चार में से दो टिप्पणियां	**2**×7 = 14
अथवा	
दो में से एक प्रश्न	1×14 = 14
घटक - 4. चार में से दो टिप्पणियां	**2**×7 = 14
अथवा	
दो में से एक प्रश्न	1×14 = 14

References:

1. आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य - आचार्य बालकृष्ण
2. आयुर्वेद जड़ी-बूटी रहस्य - आचार्य बालकृष्ण
3. आयुर्वेदीय शरीर-क्रिया विज्ञान - शिवकुमार गौड़
4. स्वस्थवृत्त - डॉ. रामहर्ष सिंह
5. Basic principles of Ayurveda - K. Lakshmipati.

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न
आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - A (Vyakarana)

Semester 4th

7 DECA

Name of Program	PG Program (Sanskrit)	Program Code	SKT2
Name of the Course	सिद्धान्तकौमुदी - 1	Course Code	24L6.5-SKT-402(i)
Hours per Week	4	Credits	4
Maximum Marks	100	Time of Examinations	3 Hours

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the formation of Sanskrit nouns.

CLO 2: Understand the formation of Sanskrit pronouns.

CLO 3: Understand the structure and nature of participle of countable noun.

Unit 1:

सुबन्तप्रकरण - अजन्तप्रकरण

Unit 2:

सुबन्तप्रकरण - हलन्तप्रकरण

Unit 3:

कृदन्तप्रकरण - पूर्वकृदन्त प्रकरण - णवुलतृचौ(3.1.123) से यस्य विभाषा तक

Unit 4: कृदन्तप्रकरण - पूर्वकृदन्त प्रकरण - परिष्कन्धाः प्राच्य भरतेषु (8.3.75) से प्रकरण के अन्त तक

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×2 = 04

घटक - 2

(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×2 = 04

घटक - 3

(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×2 = 04

घटक - 4

(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×2 = 04

References:

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 1, व्याख्याकार - पं. बालकृष्ण पञ्चोली।

2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 4, व्याख्याकार - पं. गिरिधर शर्मा एवं परमेश्वरानन्द शर्मा।

3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 4, व्याख्याकार - पं. बालकृष्ण पञ्चोली।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - A (Vyakarana)

Semester 4th

8 DECA

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	सिद्धान्तकौमुदी - 2	**Course Code**	24L6.5-SKT-402(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the nature of verbal forums from the roots of Bhavadigana. **CLO 2: U**nderstand the nature of verbal forms from the roots of Adadi, Juhotyadi and Diwadi Gana. **CLO 3: U**nderstand the nature of verbal forms from the roots of remaining Ganas.			
Unit 1: सिद्धान्तकौमुदी (भ्वादिगण-भू, एध्, स्पर्ध, दध्, अत्, च्युतिर्, षिधू, खद, अर्द्, अज्, क्षि, गुपू, कमु, क्रम्, जि, गाहू, गृहू, द्युत्, वृत्, कृपू, षह, पा, खन्, गुह्, धेट्, ह्वृ, श्रु, देङ्, तृ, गम्ल्रृ, सृप्, दृशिर्, यज्, वस्, ह्वे, श्वि			
Unit 2: सिद्धान्तकौमुदी -			

अदादि - अद्, हन्, द्विष्, दुह्, चक्षिङ्, आस्, शीङ्, ष्टुञ्, ब्रूञ्, इण्, या, वच्, विद्, अस्, रुदिर्, ञिष्वप्, जागृ, शासु जुहोत्यादि - हु, ञिभी, डुभृञ्, माङ्, ओहाक्, डुदाञ्, डुधाञ्। दिवादिगण - दिवु, नृती, क्षिप्, षूङ्, माङ्, शो, दो, जनी, दीपी, विद्, बुध्, युध्, मन्, राध्, पुष्, णश्, मदी, असु
Unit 3: सिद्धान्तकौमुदी (शेष गण) स्वादिगण - षुञ्, चिञ्, वृञ्, आप्लृ, शक्लृ, राध्, अशू तुदादिगण - तुद्, णुद्, क्षिप्, कृष्, इषु, मृङ्, कृ, गृ, प्रच्छ्, विश्, मुच्लृ, विद्लृ रुधादिगण - रुधिर्, भिदिर्, ञिइन्धी, भुज्, अञ्जू तनादिगण - तनु, षणु, मनु, डुकृञ् क्रयादिगण - डुक्रीञ्, पूञ्, लूञ्, वृञ्, ज्ञा, ग्रह् चुरादिगण - चुर्, पीड्, पृ, प्रथ्, ज्ञप्, चिञ्, लोकृ, लोचृ, कथ, गण
Unit 4: सिद्धान्तकौमुदी (प्रक्रिया प्रकरण) - ण्यन्त, सन्नन्त, यङन्त, नाम धातु
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक - 1 (क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10 (ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×2 = 04 घटक - 2 (क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि 2×5 = 10

(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×2 = 04
घटक - 3	
(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×5 = 10
(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×2 = 04
घटक - 4	
(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×5 = 10
(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×2 = 04

References:

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 3, व्याख्याकार - पं. बालकृष्ण पञ्चोली।
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 3, व्याख्याकार - पं. गिरिधर शर्मा एवं परमेश्वरानन्द शर्मा।
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 4, व्याख्याकार - पं. बालकृष्ण पञ्चोली।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - A (Vyakarana)

Semester 4th

9 DECA

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	सिद्धान्तकौमुदी - 3	**Course Code**	24L6.5-SKT-402(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Classify and understand Avyayibhava and Tatpurusha compounds of Sanskrit language according to Siddhantakaumudi.

CLO 2: Classify and understand Bahuvrihi and Dvandva compounds of Sanskrit language according to Siddhantakaumudi.

CLO 3: Describe the nominal forums of Sanskrit words.

Unit 1:

सिद्धान्तकौमुदी - समास प्रकरण (अव्ययीभाव तथा तत्पुरुष)

Unit 2:

सिद्धान्तकौमुदी - समास प्रकरण (बहुव्रीहि तथा द्वन्द्व)

Unit 3: सिद्धान्तकौमुदी - तद्धित प्रकरण (मत्वर्थीय)

Unit 4:

सिद्धान्तकौमुदी - कृत्यप्रकरण	
दिशा-निर्देश -	
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।	7×2 = 14
प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।	
शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -	
घटक - 1	
(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×5 = 10
(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×2 = 04
घटक - 2	
(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×5 = 10
(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×2 = 04
घटक - 3	
(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×5 = 10
(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×2 = 04
घटक - 4	
(क) 4 में से 2 रूपों की सिद्धि	2×5 = 10
(ख) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×2 = 04

References:

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 2, व्याख्याकार - पं. बालकृष्ण पञ्चोली।
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 2, व्याख्याकार - पं. गिरिधर शर्मा एवं परमेश्वरानन्द शर्मा।
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी भाग - 4, व्याख्याकार - पं. बालकृष्ण पञ्चोली।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	-	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	-	**10**
Mid Term Exam	-	**15**
Total Marks	-	**30**

Group - A (Vyakarana)

Semester 4th

10 DECA

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	व्याकरण दर्शन	**Course Code**	24L6.5-SKT-402(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the philosophy of Sanskrit Grammar. **CLO 2:** Read and understand the Vakyapadiyam. **CLO 3:** Read and understand Paramlaghumanjusha.			
Unit 1: वाक्यपदीय - ब्रह्मकाण्ड (1-75 कारिका)			
Unit 2: वाक्यपदीय - ब्रह्मकाण्ड (76-166 कारिका)			
Unit 3: परमलघुमञ्जूषा - शक्तिनिरुपण “आरम्भ से लेकर तदर्थो वा इच्छावान् इति व्यवहारः तक”			

Unit 4:

परमलघुमञ्जूषा - शक्तिनिरुपण "तस्माद् पदपदार्थययोः सम्बन्धानतरम् एवं शक्तिः" से लेकर समाप्ति तक

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से दो कारिकाओं की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से दो कारिकाओं की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से दो कारिकाओं की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से दो कारिकाओं की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. वाक्यपदीयम् - व्या. सत्यकाम वर्मा
2. वाक्यपदीयम् - सूर्यनारायण शुक्ल
3. परमलघुमञ्जूषा - व्या. कपिलदेव शास्त्री।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - B (Darshan)

Semester 4th

7 DECB

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	योगदर्शन	**Course Code**	24L6.5-SKT-403(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the subject matter of Samadhipada.. **CLO 2:** Understand the subject matter of Sadhanapada. **CLO 3:** Understand the subject matter of Vibhutipada **CLO 4:** Understand the subject matter of Kaivalyapada. **CLO 5: A**rticulate the key philosophical concepts of Yoga as presented in the Yogadarshan written by Maharshi Patanjali.			
Unit 1: योगदर्शन व्यासभाष्य सहित (प्रथम पाद)			
Unit 2:			

योगदर्शन व्यासभाष्य सहित (द्वितीय पाद)
Unit 3: योगदर्शन व्यासभाष्य सहित (तृतीय पाद)
Unit 4: योगदर्शन व्यासभाष्य सहित (चतुर्थ पाद)
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं - घटक -1 (क) 4सूत्रों में से 2 की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06 घटक -2 (क) 4 सूत्रों में से 2 की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06 घटक -3 (क) 4सूत्रों में से 2 की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06 घटक -4 (क) 4 सूत्रों में से 2 की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×6 = 06
References: 1. पातञ्जलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्) - व्या. ब्रह्मलीन मुनि। 2. पातञ्जलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्) - व्या. सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव्य 3. पातञ्जलयोगसूत्रम् (व्यासभाष्यम्) - व्या. आचार्य राजवीर शास्त्री 4. व्याख्याकारों की दृष्टि में पातञ्जल योगदर्शन - विमला कर्णाटक

5. The Yogasystem of Patanjali - J.H. Woods.

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - B (Darshan)

Semester 4th

8 DECB

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	पूर्व एवम् उत्तरमीमांसा	**Course Code**	24L6.5-SKT-403(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand Dharma according to the philosophy of Poorva Mimamsa.

CLO 2: Understand the theories of words, meaning and its relation according to Poorv Mimamsa.

CLO 3: Understand the theories of Vedanta philosophy according to Brahmasutra with Shankarbhashya.

Unit 1:

मीमांसा दर्शन शाबरभाष्य सहित - प्रथम अध्याय, प्रथम पाद सूत्र 11-1

Unit 2:

मीमांसा दर्शन शाबरभाष्य सहित - प्रथम अध्याय, प्रथम पाद सूत्र 12 से अन्त तक

Unit 3: ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य (प्रथम अध्याय, प्रथम पाद 4,1) सूत्र

Unit 4:

ब्रह्मसूत्र शाङ्करभाष्य (प्रथम अध्याय ,प्रथम पाद) 5-31 सूत्र

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1	
(क) 2 सूत्रों में से 1 की व्याख्या	1×6 = 06
(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न	1×8 = 08
घटक -2	
(क) 2 सूत्रों में से 1 की व्याख्या	1×6 = 06
(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न	1×8 = 08
घटक - 3 दो में से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	1×14 =14
घटक -4	
(क) 6 सूत्रों में से 4 की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न	1×6 = 06

References:

1. मीमांसादर्शनम् (तर्कपाद) - उमाशङ्कर शर्मा ऋषि
2. मीमांसादर्शन विमर्श वाचस्पति उपाध्याय
3. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - श्री स्वामी सत्यकाम सरस्वती।
4. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य - व्या. कामेश्वरमिश्र।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - B (Darshan)

Semester 4th

9 DECB

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	रामानुज एवं दयानन्द दर्शन	**Course Code**	24L6.5-SKT-403(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Understand the nature of Ishwar, Jeeva and Jagat according to Vishishtadvaita philosophy.

CLO 2: Understand the nature of liberation and means of its achievement according to the philosophy of Maharshi Dayananda.

CLO 3: Understand the theories of creation of world and re-birth according to the philosophy of Maharshi Dayananda.

Unit 1:

यतीन्द्रमतदीपिका श्रीनिवासाचार्य (4 एवं 7 अवतार)

Unit 2:

यतीन्द्रमतदीपिका श्रीनिवासाचार्य (8 एवं 9 अवतार)

Unit 3:

ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका - महर्षि दयानन्द सरस्वती (उपासना एवं मुक्ति विषय)

Unit 4:

ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका - महर्षि दयानन्द सरस्वती (सृष्टिविद्या एवं पुनर्जन्म विषय)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. यतीन्द्रमतदीपिका, व्या. आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी
2. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका - महर्षि दयानन्द सरस्वती
3. भूमिकाभास्कर - स्वामी विद्यानन्द सरस्वती।
4. दयानन्द दर्शन - डॉ. वेदप्रकाश गुप्त।
5. Study of Ramajun Philosophy & religion - Dr. P.B. Vidyarthi.

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - B (Darshan)

Semester 4th

10 DECB

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	सांख्य दर्शन	**Course Code**	24L6.5-SKT-403(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the basic theories of Sankhya philosophy. **CLO 2:** Read and understand the Sankhyasutra. **CLO 3:** Understand the metaphysics of Sankhya Darshan.			
Unit 1: सांख्य सूत्र प्रथम अध्याय (1-86)			
Unit 2: सांख्य सूत्र प्रथम अध्याय (87-164)			
Unit 3: सांख्य सूत्र द्वितीय अध्याय			
Unit 4: सांख्य सूत्र तृतीय अध्याय			

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1

(क) 2 सूत्रों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×8 = 08

घटक -2

(क) 2 सूत्रों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×8 = 08

घटक - 3

(क) 6 सूत्रों में से4 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×8 = 08

घटक -4

(क) 6 सूत्रों में से4 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 2 में से 1 सैद्धान्तिक प्रश्न 1×8 = 08

References:

1. सांख्यदर्शन - ब्रह्ममुनिभाष्योपेतम्
2. सांख्य दर्शन - आचार्य उदयवीर शास्त्री
3. सांख्य सिद्धान्त - आचार्य उदयवीर शास्त्री
4. भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. Sankhya system - B. Keith.

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - C (Sahitya)

Semester 4th

7 DECC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	काव्यशास्त्र-2	**Course Code**	24L6.5-SKT-404(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the various aspects of Sanskrit poetics according to Rajshekhar. **CLO 2:** Describe the theory of 'Dhwani' according to Anandvardhana. **CLO 3:** Understand the theories of according to Kuntak and Vamana.			
Unit 1: काव्यमीमांसा, राजशेखर (अध्याय 1-5)			
Unit 2: ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन (प्रथम उद्योत)			
Unit 3: वक्रोक्तिजीवितम् - कुन्तक (प्रथमोन्मेष 1-30 कारिका)			

Unit 4:

काव्यालङ्कारसूत्र - वामन (प्रथम अधिकरण)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1

(क) 2 सन्दर्भों में से 1 की व्याख्या 1×6 = 06

(ख) 4 में से 2 सैद्धान्तिक प्रश्न अथवा टिप्पणियां 2×4 = 08

घटक - 2 चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या 2×7 = 14

घटक - 3 चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या 2×7 = 14

घटक - 4 छः में से चार सूत्रों की व्याख्या 4×3.5 = 14

References:

1. काव्यमीमांसा - राजशेखर
2. ध्वन्यालोक - श्री कृष्ण कुमार
3. ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर
4. वक्रोक्तिजीवितम् - कुन्तक
5. काव्यालङ्कार सूत्र - वामन

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Marks	**-**	**30**

Group - C (Sathiya)

Semester 4th

8 DECC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	संस्कृत महाकाव्य एवं चम्पू	**Course Code**	24L6.5-SKT-404(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Read and understand Sanskrit poetry of Kalidas with reference to Raghuvanshum. **CLO 2:** Read and understand the poetry of Bharavi. **CLO 3:** Read and understand the poetry of Shreeharsha. **CLO 3:** Understand the various aspects of Sanskrit poetry through the readings of poetry of famous poets of Sanskrit.			
Unit 1: रघुवंशम् - कालिदास (प्रथम एवं चतुर्दश सर्ग)			
Unit 2: किरातार्जुनीयम् - भारवि (प्रथम सर्ग)			
Unit 3: नैषधीयचरितम् - श्रीहर्ष (प्रथम सर्ग, 1-50 श्लोक), (124-145 श्लोक)			
Unit 4:			

नल चम्पू (त्रिविक्रमभट्टविरचित)
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं। घटक - 1 (क) 4 में से 2 पद्यों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 2 (क) 4 में से 2 पद्यों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 3 (क) 4 में से 2 पद्यों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 4 (क) 4 में से 2 पद्यों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06
References: 1. नैषधीयचरितम् - शेषकृष्ण शर्मा रेग्मी 2. रघुवंशम् - श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी 3. किरातार्जुनीयम् - श्रीबदरीनारायण मिश्र 4. नल चम्पू (त्रिविक्रमभट्टविरचित) - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।चौखम्भानई दिल्ली

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - C (Sathiya)

Semester 4th

9 DECC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	संस्कृत गद्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-404(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the characteristics of Sanskrit prose with special Reference to Harshacharitam, Dashakumaracharitam Vasavadutta and Shivrajavijyam.

CLO 2: Analyse the writing style of Sanskrit prose with special reference to Bana, Dandi, Subandhu and Ambikaduttvyas.

CLO 3: Understand the society and culture as depicted in Harshachritam and Dashakumaracharitam, Vasavadutta and Shivrajavijyam.

Unit 1:

हर्षचरितम् (पञ्चम उच्छवास)

Unit 2:

दशकुमारचरितम् (विश्रुतचरितम्)

Unit 3:

वासवदत्ता (प्रास्ताविक पद्य, चिन्तामणि वर्णन, कन्दर्पकेतुवर्णन, वासवदत्ताविषयक स्वप्नवर्णन)

Unit 4:

शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक - 1

(क) 4 में से 2 गद्यों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 गद्यों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 गद्यों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 गद्यों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. हर्षचरितम् - बाणभट्ट, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

2. दशकुमारचरितम् - दण्डी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. वासवदत्ता, सुबन्धु, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. शिवराजविजय प्रथम विराम साहित्य भंडार मेरठ

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न
आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - C (Sathiya)

Semester 4th

10 DECC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	संस्कृत छंद, नाट्य एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-404(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Understand the characteristics of modern Sanskrit literature. **CLO 2:** Analyse the writing style of modern Sanskrit poetry with special reference to Dayanandadigvijyam, Shriswamivivekanandacharitam. **CLO 3:** Understand the characteristics of modern Sanskrit novel with special reference to Seema written by Dr. Ramkaran Sharma.			
Unit 1: मेधाव्रताचार्यकृत दयानन्द दिग्विजयम् (1-2 सर्ग)			
Unit 2: स्वप्नवासवदत्तम महाकवि भासविरचितम (1-3) अङ्क			
Unit 3: स्वप्नवासवदत्तम महाकवि भासविरचितम (4-7) अङ्क			

Unit 4:

वृत्तरत्नाकरम केदारभट्टविरचितम

विद्युन्माला,प्रमाणिका,इन्द्रवज्रा,उपेन्द्रवज्रा,उपजाति,शालिनि,रथोद्धता,दोधक] वंशस्थ] तोटक] द्रुतविलम्बित] भुजङ्गप्रयातम्] स्रग्विणी] मञ्जुभाषिणी] वसन्ततिलका] मालिनी] पञ्चचामरम्] शिखरिणी] मन्दाक्रान्ता] शार्दूलविक्रीडितम्] स्रग्धरा

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 5 में से 3 छंदों का लक्षण] उदाहरण] गण चिन्ह सहित 3×3 = 09

(ख) 2 में से 1 छंद के गण चिन्ह लगाकर छंद का नाम बताएं 1×5 = 05

References:

1. दयानन्द दिग्विजयम् - मेधाव्रताचार्य, चौखम्बा ऑरयण्टालिया, दिल्ली।
2. स्वप्नवासवदत्तम - महाकवि भासविरचितम - चौरखम्बा
3. वृत्तरत्नाकरम केदारभट्टविरचितम - चौरखम्बा

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - D (Veda)

Semester 4th

7 DECD

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	उपनिषद् साहित्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-405(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Read and understand the subject matter of Kenopanishad. **CLO 2:** Read and understand the subject matter of Prashnopanishad **CLO 3:** Read and understand the subject matter of Aitreyopanishad **CLO 4:** Read and understand the subject matter of Shwetashvataropanishad			
Unit 1: केनोपनिषद्			
Unit 2: प्रश्नोपनिषद्			
Unit 3: ऐतरेयोपनिषद्			
Unit 4: श्वेताश्वतरोपनिषद्			
दिशा-निर्देश -			

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक - 1

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. केनोपनिषद् - गीताप्रेस, गोरखपुर
2. प्रश्नोपनिषद् - गीताप्रेस, गोरखपुर
3. ऐतरेयोपनिषद् - गीताप्रेस, गोरखपुर
4. श्वेताश्वतरोपनिषद् - गीताप्रेस, गोरखपुर
5. एकादशोपनिषद् - सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार, प्रकाशक-विजयकृष्ण लखनपाल7। ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
6. ईशादि नौ उपनिषद् - हरिकृष्णदास गोयन्दका गीता प्रेस, गोरखपुर

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - D (Veda)

Semester 4th

8 DECD

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	श्रौतसूत्र साहित्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-405(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Know the Shrautsutra literature and various shraut yajnas. **CLO 2:** Know the Ashwalayana Shrautsutra literature and various shraut yajnas. **CLO 3:** Read and understand the subject matter of Katyayan Shrautsutra.			
Unit 1: श्रौतसूत्र साहित्य का विस्तृत परिचय			
Unit 2: श्रौतयज्ञों का विस्तृत परिचय			
Unit 3: द्रव्ययज्ञों की अधिदैवत सृष्टियज्ञों से तुलना - श्रौतयज्ञ मीमांसा, पं. युधिष्ठिर मींमांसक			
Unit 4: कात्यायन श्रौतसूत्र अध्याय - 2			

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक - 1 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न	1×14 = 14
अथवा	
4 में से 2 टिप्पणियाँ	2×7 = 14
घटक - 2	
दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न	1×14 = 14
अथवा	
4 में से 2 टिप्पणियाँ	2×7 = 14
घटक - 3	
दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न	1×14 = 14
अथवा	
4 में से 2 टिप्पणियाँ	2×7 = 14
घटक - 4	
(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06

References:

1. कात्यायन श्रौतसूत्र -अंग्रेजी अनुवाद-रानाडे
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- बलदेव अपाध्याय
3. डॉ. सुधीकान्त भारद्वाज संस्कृत साहित्य का इतिहास
4. श्रौतयज्ञमीमांसा- पं. युधिष्ठर मीमांसक

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - D (Veda)

Semester 4th

9 DECD

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	गृह्यसूत्र साहित्य	**Course Code**	24L6.5-SKT-405(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1:** Know the Grihyasutra literature. **CLO 2:** Know the various Grihya Yajnas. **CLO 3:** Read and understand the subject matter of Paraskar Grihyasutra.			
Unit 1: गृह्यसूत्र साहित्य का परिचय			
Unit 2: गृह्ययज्ञों का सामान्य परिचय			
Unit 3: पारस्कर गृह्यसूत्र काण्ड - 2 (कण्डिका 1-8)			

Unit 4:

पारस्कर गृह्यसूत्र काण्ड - 2 (कण्डिका 9-17)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक - 1 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14 = 14

अथवा

4 में से 2 टिप्पणियाँ 2×7 = 14

घटक - 2 दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न 1×14 = 14

अथवा

4 में से 2 टिप्पणियाँ 2×7 = 14

घटक - 3

(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. संस्कार चन्द्रिका - सत्यव्रत सिद्धान्तालङ्कार।

2. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द।

3. पारस्करगृह्यसूत्रम् - डॉ. वेदपाल, सत्यार्थ प्रकाशन न्यास, कुरूक्षेत्र हरियाणा।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न		
आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:		
Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

	Group - D (Veda) Semester 4th 10 DECD		
Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**

Name of the Course	धर्मसूत्र एवं शुल्बसूत्र	**Course Code**	24L6.5-SKT-404(iv)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the subject matter of Baudhayan Dharmasutra.

CLO 2: Read and understand the subject matter of Gautam Dharmasutra.

CLO 3: Read and understand the subject matter of Katyayan Shulbasutra.

Unit 1:

बौधायन धर्मसूत्र (प्रश्न - 1 अध्याय - 1-4)

Unit 2:

गौतम धर्मसूत्र (प्रश्न - 1 अध्याय - 1-3)

Unit 3:

कात्यायन शुल्बसूत्र (कण्डिका - 1)

Unit 4:

कात्यायन शुल्बसूत्र (कण्डिका - 2)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक - 1

(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06
घटक - 2	
(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06
घटक - 3	
(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06
घटक - 4	
(क) 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06

References:

1. बौधायन धर्मसूत्र (मिताक्षरावृत्ति सहित), चैखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।
2. बौधायन धर्मसूत्र व्याख्या- डा. नरेन्द्र कुमार आचार्य, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, वाराणसी।
3. बौधायन धर्मसूत्र व्याख्या- गोविंद स्वामी, चैखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. गौतम धर्मसूत्र (मिताक्षरावृत्ति सहित), व्याख्या- डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चैखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
5. गौतम धर्मसूत्र व्याख्या- गोविंद स्वामी, चैखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
6. कात्यायन शुल्बसूत्र, हिन्दी- अंग्रेजी व्याख्या-डॉ. डी. पी. कुलड़िया, देवेश पब्लिकेशस्, रोहतक।
7. कात्यायन शुल्बसूत्र, अंग्रेजी व्याख्या-डॉ. खदिलकर, पूना विश्वविद्यालय प्रकाशन, पूना।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - E (Dharmashastra)

Semester 4th

7 DECE

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	मनुस्मृति	**Course Code**	24L6.5-SKT-406(i)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the subject matter of Manusmriti.

CLO 2: Understand ancient Indian legal and constitution system.

CLO 3: Acquire the knowledge of ancient Indian political and religious systems through the study of the text of Manusmriti.

Unit 1: मनुस्मृति, अध्याय - 2
Unit 2: मनुस्मृति, अध्याय - 6
Unit 3: मनुस्मृति, अध्याय - 7 एवं 9 (श्लोक 1 - 109)
Unit 4: मनुस्मृति, अध्याय - 12
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक - 1	
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06
घटक - 2	
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06
घटक - 3	
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06
घटक - 4	
(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या	2×4 = 08
(ख) 2 में से 1 प्रश्न	1×6 = 06

References:

1. मनुस्मृति - कुल्लूकभट्ट टीका सहित, सं. शिवराज आचार्य विद्याभवन, वाराणसी।
2. मनुस्मृति - कुल्लूकभट्ट टीका सहित, सं. हरगोविन्द शास्त्री, चैखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
3. मनुस्मृति - सं. श्री राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार टर्स्ट, खारी बावली, दिल्ली, 1985.
4. मनुस्मृति - सं. गंगानाथ झा, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1992.
5. Lows of Manu - Buhler G, MLBD, Delhi 1964.
6. History of Dharma shastra, P.V.Kane, Vol-I, Bori, Poona.

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - E (Dharmashastra)

Semester 4th

8 DECE

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	अर्थशास्त्र	**Course Code**	24L6.5-SKT-406(ii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the subject matter of Kautilya's Arthashastra.

CLO 2: Acquire the knowledge of ancient India political institution.

CLO 3: Understand various aspects of administration system and policies through the text of Kautilya's Arthashastra.

Unit 1:

कौटिल्य अर्थशास्त्र द्वितीय अधिकरण, अध्याय, 1-05

Unit 2:

कौटिल्य अर्थशास्त्र द्वितीय अधिकरण, अध्याय, 8-10, 19-20

Unit 3:

कौटिल्य अर्थशास्त्र तृतीय अधिकरण, अध्याय, 01 - 07

Unit 4:

कौटिल्य अर्थशास्त्र तृतीय अधिकरण, अध्याय, 11 - 15

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक - 1

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. कौटिल्य अर्थशास्त्र - वाचस्पति गैरोला, हिन्दी व्याख्या सहित, वाराणसी।
2. कौटिल्य अर्थशास्त्र - सं. टी. गणपति शास्त्री, त्रिवेन्द्रम्।
3. धर्मशास्त्र का इतिहास - पी. वी. काणे, उत्तरप्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
4. कौटिल्यार्थशास्त्रम् - पंचटीकोपेतम्, सं. आचार्य विश्वनाथशास्त्रीदातारः, सं. सं. वि. वाराणसी।
5. कौटिल्यकालीन भारत - आचार्य दीपंकर, हिन्दी समिति सूचना विभाग, उ.प्र, लखनऊ।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - E (Dharmashastra)

Semester 4th

9 DECE

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	याज्ञवल्क्यस्मृति (प्रायश्चित्ताध्याय)	**Course Code**	24L6.5-SKT-406(iii)
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the subject matter of Prayashchittadhyaya of Yajnavalkyasmriti.

CLO 2: Understand the ancient Indian religious practices.

CLO 3: Acquire the knowledge of rituals regarding sins and penances through the text of Yajnavalkyasmriti

Unit 1:

याज्ञवल्क्यस्मृति, प्राश्चित्ताध्याय (अशौचप्रकरण से आपद्धर्मसमाप्तिपर्यन्त)

Unit 2:

याज्ञवल्क्यस्मृति, प्राश्चित्ताध्याय (वानप्रस्थ एवं यतिधर्मप्रकरण)

Unit 3:

याज्ञवल्क्यस्मृति, प्राश्चित्ताध्याय (प्रायश्चित्तप्रकरण कर्मविपाकः से महापातक प्रायश्चित्त प्रकरण तक)

Unit 4:

याज्ञवल्क्यस्मृति, प्राश्चित्ताध्याय (गोवध प्रायश्चित्त प्रकरण से अन्त तक)

दिशा-निर्देश -

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14

प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है।

शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं।

घटक - 1

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 2

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 3

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

घटक - 4

(क) 4 में से 2 श्लोकों की व्याख्या 2×4 = 08

(ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06

References:

1. याज्ञवल्क्यस्मृति - विज्ञानेश्वरकृतमिताक्षराटीकोपेता नाग प्रकाशन, 1985.
2. याज्ञवल्क्यस्मृति - अनु. व सं. गंगासागर राय, चैखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, 1998.
3. प्रायश्चित्तविवेकः - संस्कृत विद्यापीठ, पुरी, 1982.

4. प्रायश्चित्तप्रकाशः - श्रीमित्रमिश्र, चैखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, 1986.
5. धर्मशास्त्र का इतिहास - पी.वी.काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।

आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन पैटर्न

आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित घटकों पर आधारित होगा:

Participation	**-**	**05**
Presentation/Assignment//Quiz etc.	**-**	**10**
Mid Term Exam	**-**	**15**
Total Mark	**-**	**30**

Group - E (Dharmashastra)

Semester 4th

10 DECE

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	जैमिनीयन्यायमाला	**Course Code**	
Hours per Week	**4**	**Credits**	**4**
Maximum Marks	**100**	**Time of Examinations**	**3 Hours**
Course Learning Outcomes (CLO): On successful completion of this course, the students will we able to: **CLO 1: Read and understand the subject matter of Jaiminiyanyayamalavistar.** **CLO** 2**: Understand Dharma according to the philosophy of Poorva Mimansa** **CLO** 3**: Acquire the knowledge of various rituals through the text of Jaiminiyanyayamalavistar.**			
Unit 1: जैमिनीयन्यायमाला **(**सविस्तर**)** धर्मलक्षणाधिकरण**,** धर्मप्रामाण्याधिकरण**,** वेदापौरेषेयत्वाधिकरण			
Unit 2: जैमिनीयन्यायमाला **(**सविस्तर**)** अर्थवादाधिकरण**,** स्मृत्यधिकरण**,** विरोधाधिकरण।			

Unit 3: जैमिनीयन्यायमाला **(**सविस्तर**)** आचारप्रामाण्यधिकरण**,** होलाकाधिकरण**,** उद्भिदधिकरण
Unit 4 जैमिनीयन्यायमाला **(**सविस्तर**)** आचारप्रामाण्यधिकरण**,** होलाकाधिकरण**,** उद्भिदधिकरण
दिशा-निर्देश - प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, इसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 7×2 = 14 प्रथम प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना अनिवार्य है। शेष प्रश्नों के निर्देश अधोलिखित हैं। घटक - 1 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 2 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 3 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06 घटक - 4 (क) 4 में से 2 सन्दर्भों की व्याख्या 2×4 = 08 (ख) 2 में से 1 प्रश्न 1×6 = 06
References:

1. जैमिनीयन्यायमाला माधवाचार्य, आनन्दाश्रममुद्रणालय, पूना ।

2. अर्थसंग्रह - चैखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

3. मीमांसापरिभाषा श्रीकृष्णयज्वा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

4. मीमांसान्यायप्रकाश आपदेव, भण्डारकर प्राच्यविद्या मन्दिर मुद्रणालय, पूना।

5. मीमांसादर्शनविमर्शः वाचस्पति उपाध्याय, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली ।

Semester - 4th

EEC

Name of Program	**PG Program (Sanskrit)**	**Program Code**	**SKT2**
Name of the Course	संस्कृत काव्य कला	**Course Code**	
Hours per Week	**4**	**Credits**	**2**
Maximum Marks	**50**	**Time of Examinations**	**3 Hours**

Course Learning Outcomes (CLO):

On successful completion of this course, the students will we able to:

CLO 1: Read and understand the subject matter of Prayashchittadhyaya of Yajnavalkyasmriti.

CLO 2: Understand the ancient Indian religious practices.

CLO 3: Acquire the knowledge of rituals regarding sins and penances through the text of Yajnavalkyasmriti

घटक-1 विश्वकर्मप्रकाशः पञ्चमोऽध्याय शिलान्यासाध्यायः 1-40श्लोक
घटक-2 लौकिक एवं वैदिक संस्कृत सूक्ति संग्रह- ऋतज
घटक-3 संस्कृत श्लोकों का शुद्ध लेखन एवं कण्ठस्थीकरण
घटक-4 आधुनिक संस्कृत लेखन की प्रवृत्तियां

दिशा-निर्देश - सभी प्रश्न अनिवार्य है घटक-1 चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या। 2x5=10 घटक-2 चार में से किन्हीं दो सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या। 2x5=10 घटक-3 किन्हीं पांच कंठस्थ श्लोकों का शुद्ध लेखन कीजिए जो इस प्रश्न पत्र में न हो। 5x1=5 घटक- 4 दो में से एक प्रश्न।1x10=10
References: 1 विश्वकर्मप्रकाशः चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2 ऋतज, Dr. Ramesh Kumar Pandey 3 संस्कृत शास्त्रों का इतिहास आचार्य बलदेव उपाध्याय 4 संस्कृत साहित्य का इतिहास वाचस्पति गैरोला